दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः14 | ग्वालियर, गुरुवार 26, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

खुदकुशी या हत्या कब्र से निकला विवाहिता का शव

देहरादून। राजधानी देहरादून में विवाहिता फराह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के राज पर से जल्द ही पर्दा उठनेवाला है। फरहा की मौत के आठ दिन बाद मजिस्ट्रेट के सामने कब्रिस्तान में कब्र खोद कर शव को निकाला गया। अब पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा कि फरहा की मौत जहर खाने से हुई या फिर उसकी हत्या की गई। दरअसल, यह मामला देहरादून के बसंत विहार इलाके का है,जहां बीते 18 सितंबर को फरहा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। ससुराल वालों ने लड़की के परिजनों को सूचना दी कि फराह ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली है। इसके बाद बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। मृतक युवती के परिजनों को किसी ने फोन कर सूचना दी कि मौत के बाद ल?की के शरीर पर चोट के निशान देखे गए थे। इसीलिए तुरंत मृतक की मां ने इसकी शिकायत बसंत विहार थाना पुलिस से की और सभी कानूनी प्रक्रिया को अपनाते हुए भारी पुलिस फोर्स और मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव को कब्र से बाहर निकाला गया। बिजनौर निवासी 29 वर्षीय फराह का निकाह 13 साल पहले देहरादून के सलीम के साथ हुआ था। निकाह के कुछ दिनों बाद ही सलीम नौकरी के लिए सऊदी चला गया था। वह बीच-बीच में वापस लौटता था। हालांकि जब फराह की मौत हुई तब पति सलीम सऊदी में ही था। वह फराह की मौत की खबर के बाद दूसरे दिन देहरादून पहुंचा था। परिजनों के मुताबिक विवाहिता के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे, जबकि ससुराल वालों के मुताबिक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या की है। फराह के जहर खाकर आत्महत्या करने की बात डॉक्टरों को नहीं बताई गई इसीलिए डॉक्टरों ने पुलिस को जानकारी दिए बगैर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया था। हालांकि अब पति अपने भाई और परिवार के बचाव में खड़ा नजर आ रहा है। कब्रिस्तान में कब्र से महिला का शव बाहर निकालने की कार्यवाही के दौरान ससुराल पक्ष के साथ ही मायके वाले भी मौजूद रहे। वहीं इस केस के लिए नियुक्त मजिस्ट्रेट सुरेंदर सिंह देव ने बताया कि पूरी वीडियोग्राफी के बीच शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जिसका पोस्टमॉर्टम डॉक्टरों के पैनल से करवाया जाएगा, ताकि फराह की मौत की सही वजह सामने आ सके और फराह के साथ-साथ परिवार को न्याय मिल सके। हालांकि अभी तक जो बातें सामने आई हैं उसके मुताबिक पुलिस की शक की सुई फराह के देवर की तरफ जा रहा है। फिलहाल पुलिस को भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

पुणे में तेंदुए के हमले में 9 साल के बच्चे की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में बुधवार तड़के एक तेंदुए ने नौ वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा जुन्नर तहसील के तेजीवाड़ी में अपने घर के पास खेत में शौच के लिए गया था। शौच के लिए जाते समय तेंदुए ने बच्चे पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे के दादा भी आसपास ही थे। जुन्नर क्षेत्र के उप वन संरक्षक अमोल सतपुते ने बताया, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जब बच्चा शौच के लिए गया था तो उस दौरान एक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे खेतों के अंदर ले गया। उन्होंने बताया, बाद में बच्चे का शव मिला, जिस पर गंभीर घाव थे। अधिकारी ने बताया कि बच्चे के माता-पिता ईंट के भट्टे पर काम करते हैं और अहमदनगर जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा, घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों के लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है, क्योंकि तेंदुआ इसी क्षेत्र में है। तेंदुए और सियार के हमलों के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है और कई घायल हुए हैं। सरकार भी इस तरीके के हमलों को लेकर चिंतित है और लगातार वन विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। फिर भी इस तरह के हमले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। ये हालात वाकई डराने वाले हैं।

राहुल गांधी ने कंगना के बयान पर किया पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने किसान आंदोलन को लेकर बीजेपी सांसद कंगना रनौत के हाल में दिए बयान पर पलटवार करते हुए यह सवाल किया है कि सरकार की नीति कौन तय कर रहा है। एक बीजेपी सांसद या प्रधानमंत्री मोदी दरअसल, कंगना ने किसान आंदोलन को लेकर मंडी में एक बयान दिया था। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि तीन कृषि कानूनों का विरोध केवल कुछ राज्यों में हुआ था। किसान भारत की प्रगति में मजबूती का स्तंभ हैं। उन्होंने यह अपील की थी कि किसानों के हित में कृषि कानूनों को वापस लाया जाए। हालांकि बाद में उन्होंने अपने इस बयान पर माफी भी मांग ली है। उन्होंने कहा कि यह उनकी निजी राय थी, पार्टी

का यह स्टैंड नहीं है।
अब कंगना के इस बयान के बाद सियासत गरमा गई है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा- सरकार की नीति कौन तय कर रहा है। एक भाजपा सांसद या प्रधानमंत्री मोदी 700 से ज्यादा किसानों, खास कर हरियाणा और पंजाब के किसानों की शहादत ले कर भी भाजपा वालों का मन नहीं भरा। राहुल गांधी चुनौती भरे स्वर में कहा, गठबंधन हमारे अन्नदाताओं के विरुद्ध भाजपा का कोई भी षडयंत्र कामयाब नहीं होने देगा - अगर किसानों को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई भी कदम उठाया जाएगा तो मोदी जी को फिर से माफी मांगनी पड़ेगी।

हाथरस में दूसरी कक्षा के छात्र की हॉस्टल में हुई मौत

उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक छात्र की मौत हो गई। छात्र एक प्राइवेट स्कूल में दूसरी कक्षा का छात्र था। छात्र की हॉस्टल में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में स्कूल के निदेशक समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी हिमांशु माथुर ने बुधवार को बताया कि सहपऊ थाना क्षेत्र में स्थित एक प्राइवेट स्कूल की दूसरी कक्षा में पढ़ने वाला एक बच्चा सोमवार को हॉस्टल में मृत पाया गया था। छात्र के पिता कृष्ण कुशवाहा का कहना है कि स्कूल प्रशासन ने उन्हें सूचना दी थी कि उनका बेटा बीमार है। स्कूल पहुंचने पर पता चला कि स्कूल के निदेशक दिनेश बघेल उसे अपनी कार से अस्पताल ले गए हैं। माथुर के मुताबिक, कुशवाहा ने पुलिस से की गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि बाद में उन्हें स्कूल निदेशक दिनेश बघेल मिले और उन्होंने बघेल की कार से अपने बेटे का शव बरामद किया। उन्होंने बघेल और चार अज्ञात लोगों पर अपने बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है।

रीवा में पुलिस देखती रही तमाशा, दामाद की ससुरालवालों ने कर दी धुनाई

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां समझौते के लिए बुलाए गए दामाद की जमकर पिटाई की गई है और इसका वीडियो भी वायरल हो गया है। पिटाई करने वाले लोग

पीड़ति के ससुराल वाले थे। पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए उन्हें वन स्टॉप सेंटर बुलाया गया था। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान पुलिस के सामने ही ससुराल पक्ष के लोगों ने दामाद की धुनाई शुरू कर दी। मामला सोमवार दोपहर का है। ग्राम पहड़िया, थाना रायपुर कर्चुलियान निवासी शिवेंद्र कुमार साकेत का उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। मामला महिला थाने में चल रहा था। पति और पत्नी के बीच आपसी सुलह के लिए मामले को बिछिया थाना क्षेत्र स्थित वन स्टॉप सेंटर भेजा गया था। सोमवार को वन स्टॉप सेंटर में पदस्थ अधिकारी के द्वारा दोनों पक्षों को काउंसलिंग के लिए वन स्टॉप सेंटर बुलाया गया। वन स्टॉप सेंटर में तीन पेशी करने के बाद शिवेंद्र सिंह चौथी पेशी करने के लिए वन स्टॉप सेंटर पहुंचा था। वन स्टॉप सेंटर पहुंचे दोनो पक्षों को समझाइस दी जा रही थी, इसी बीच किसी बात को लेकर दोनो पक्षों के बीच विवाद खड़ा हो गया और देखते ही देखते विवाद ने विकराल रूप धारण कर लिया। लड़की पक्ष के लोगों ने दामाद शिवेंद्र साकेत की वन स्टॉप सेंटर के अंदर ही जमकर धुनाई कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

बदलापुर एनकाउंटरः अक्षय शिंदे के सिर पर गोली क्यों मारी, हाई कोर्ट के सवाल जिनमें फंस गई पुलिस!

मुंबईः बदलापुर यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर बांबे हाई कोर्ट ने सवाल उठाए हैं। मृतक अक्षय शिंदे के पिता अन्ना शिंदे की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि बदलापुर की घटना को एनकाउंटर मानना मुश्किल लग रहा है। रिपोर्ट बताती है कि पुलिस ने आरोपी के सिर में गोली मारी। सेल्फ डिफेंस में तो पैर पर गोली मारी जाती है। हाई कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में गड़बड़ी नजर आ रही है। अदालत ने कहा कि अगर पुलिस ने पहले शिंदे को काबू करने की कोशिश की होती तो गोलीबारी से बचा जा सकता था और इस बात पर विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि उसने एक पुलिस अधिकारी से पिस्तौल छीनकर गोलियां चलाईं। अदालत ने पूछा कि आरोपी को पहले हाथ या पैर के बजाय सीधे सिर में गोली क्यों मारी गई? न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि अगर उसे पता चला कि जांच ठीक से नहीं हो रही है, तो वह उचित आदेश पारित करने के लिए बाध्य होंगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मामले के सभी कागजात तुरंत राज्य सीआईडी को सौंपने का भी निर्देश दिया, जो शिंदे कि मौत की जांच करेगी। कोर्ट ने सवाल किया, फाइलें अभी तक सीआईडी को क्यों नहीं सौंपी गईं। कोर्ट ने कहा कि हालांकि वह इस स्तर पर कोई संदेह नहीं जता रहा है, लेकिन यह विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि अक्षय शिंदे एक पुलिस अधिकारी से पिस्तौल जब्त करने और गोलियां चलाने में कामयाब रहा। पीठ ने कहा कि पिस्तौल को खोलना और उससे गोली चलाना बहुत आसान नहीं है।

पलटा ट्रक और सेब लूटने लगे स्थानीय लोग

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आमतौर पर ऐसे वीडियो वायरल होते हैं जिन्हें देखने के बाद लोगों का मनोरंजन होता है या फिर उन्हें काफी हंसी आती है। मगर कभी-कभी उन्हीं वीडियो के बीच में एक या दो ऐसे वीडियो नजर आ जाते हैं जो लोगों को हैरान कर देते हैं। अभी एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है जिसे देखने के बाद आप हैरान हो जाएंगे और आपके मन में इंसानियत को लेकर सवाल खड़े होने लगेंगे। दरअसल एक ट्रक हादसे का शिकार हो गया जिसके बाद वहां लोगों का भारी भीड़ पहुंच गई लेकिन मदद करने के लिए नहीं बल्कि वहां गिरे सेब को लूटने के लिए। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। अभी जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें नजर आ रहा कि एक

पुल के नीचे पानी में भारी संख्या में लोग खड़े हैं। दरअसल ये सभी लोग वहां तब पहुंचे जब एक ट्रक की बॉडी पानी में गिर गई। ट्रक की बॉडी के पानी में गिरते ही उसमें लदे सेब भी पानी में गिर गए जिसे लूटने के लिए लोग वहां पहुंच गए। वायरल हो रहे वीडियो में नजर आ रहा कि लोग पानी में उतरकर वहां गिर सेब को लूटने में लगे हुए हैं। वहीं ड्राइवर पुल के ऊपर बैठा हुआ है। इस वीडियो को शायद उसी शख्स ने रिकॉर्ड किया है जिसका यह पूरा सामान था क्योंकि वो गुस्सा होकर ड्राइवर से सवाल पूछता हुआ नजर आ रहा है कि यह सब कैसे हुआ। आपको बता दें कि यह वायरल वीडियो भद्रक राष्ट्रीय राजमार्ग 16 का है। दरअसल 20 लाख रुपये के सेब लेकर यह ट्रक दिल्ली से भुवनेश्वर जा रहा था। रास्ते में बैलेंस बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ और ट्रक का ऊपरी हिस्सा पुल के नीचे गिर गया जबकि निचला हिस्सा पुल के ऊपर ही रह गया। इस घटना में सेब का तो नुकसान हो गया मगर राहत की बात यह है कि कोई शख्स हताहत नहीं हुआ।

बिहार के भागलपुर में देखते ही देखते गंगा में समा गए कई घर

भागलपुरः बिहार के भागलपुर में भारी बारिश से गंगा नदी उफान पर है। बाढ़ का पानी गंगा के किनारे स्थिति बने घरों तक पहुंच गया है। इस बीच भागलपुर से इस हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। गंगा किनारे बने कई देखते-देखते ही नदी में समा गए। नदी की धारा तेज होने के कारण नदी किनारे के घर बह गए। बाढ़ का पानी राष्ट्रीय राजमार्ग 80 के कुछ हिस्सों में भी भर गया है, गिरे हुए पेड़ों के कारण प्रमुख मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं और और अधिक व्यवधान उत्पन्न हुआ है।
बताया जा रहा है कि भागलपुर के सबौर प्रखंड के मसाडू गांव का अस्तित्व अब खत्म होने के कगार पर है। गांव के 30त्न घर गंगा में विलीन हो चुके हैं। जबकि और 30त्न घर गंगा के मुहाने पर है। अगले 24 घंटे के अंदर आशंका जताया जा रहा है कि 10 से अधिक घर गंगा में विलीन हो जाएंगे। मंगलवार को महज 10 मिनट में तीन पक्का मकान गंगा में विलीन हो गया। देखते-देखते पीड़ितों के जिंदगी भर के पसीने आंसू में तब्दील हो गए। यह तीनों घर अलग-अलग परिवार के है जिसमें

राजेंद्र मंडल, नागेश्वर मंडल और श्याम सुंदर मंडल शामिल हैं। यह सभी कोई मजदूरी करता है तो कोई पशुपालन कर अपना घर का भरण पोषण करता है। पेट काटकर आशियाना बनाया था। लेकिन गंगा के घटते जलस्तर में कटाव भयावह और तेज हो गया और पीड़ितों के सपनों को बहा ले जा रहा है। अभी इलाके के लोगों में खौफ है। लोगों ने भय ही की कभी भी उसका घर गंगा में समा सकते है। अब तक की कटाव में 500 फीट जमीन गंगा में बह गया है। 50 से अधिक घर गंगा में विलीन हो चुके है। सरकारी भवन से लेकर आंगनबाड़ी केंद्र जल मीनार सब कुछ गंगा के आगोश में समा चुका है। स्थानीय आर्यन बताते हैं कि 10 मिनट में तीन पक्का घर गंगा के आगोश में चला गया। अभी गंगा के मुहाने पर 10 से अधिक घर है। कभी और कभी का भी घर गंगा में विलीन हो सकता है। पिछले एक सप्ताह में 10 से अधिक घर गंगा में विलीन हो चुका है। 500 फीट जमीन का हिस्सा गंगा में समा चुका है। गांव का अस्तित्व खतरे में है। मसाडू गांव 30त्न खत्म हो चुका है। 70त्न बाकी है। उसमें भी 30त्न गंगा के मुहाने पर है। जो अगले 24 घंटे में खत्म हो जाएगा। आगे बताते हैं कि जल संसाधन विभाग पिछले एक सप्ताह से यहां काम नहीं कर रहे हैं। अगर समय रहते कटावरोधी कार्य होता तो शायद पीड़ितों के आंखों में आंसू नहीं होती और आशियाना गंगा में नहीं समाता। बता दें कि बिहार के कई जिलों में भारी बारिश हुई है। भागलपुर में गंगा नदी का रौद्र रुप देखा जा रहा है। भागलपुर में गंगा का जलस्तर घट रहा है। लेकिन कटाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। गंगा नदी का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से लगभग 1.5 मीटर ऊपर है, जिससे बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आपातकालीन टीमें प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रयास जारी रख रही हैं।

पैरालंपिक में पदक जीतने वाले मध्य प्रदेश के खिलाड़ी हुए मालामाल, सीएम बोले- सरकारी नौकरी भी मिलेगी

भोपालः मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पैरालंपिक में पदक जीतने वाले प्रदेश तीन खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी और एक-एक करोड़ रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार सभी क्षेत्रों में प्रगति की है, चाहे वह ओलंपिक हो या पैरालंपिक। आज हमारे अपने मध्य प्रदेश के तीन बच्चों ने पैरालंपिक में पुरस्कार जीते हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमने ओलंपिक गए बच्चों के लिए एक करोड़ रुपये और नौकरी देने की घोषणा की थी। आज पैरालंपिक में प्राची, पूजा और कपिल को एक-एक करोड़ देने की घोषणा करते हैं। इन्हें भी सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। उधर, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक की और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष दशहरा उत्सव शस्त्र पूजा के साथ मनाया जायेगा और सभी मंत्री जिलों के पुलिस शस्त्रागार में भाग लेंगे. मुख्यमंत्री दशहरे पर नारी शक्ति के सम्मान के प्रतीक के रूप में लोकमाता अहिल्या देवी की राजधानी महेश्वर में शस्त्र पूजन करेंगे। बैठक के दौरान अपने संबोधन में डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठक 5 अक्टूबर को दमोह जिले के सिंहरामपुर में होगी। ऐसा राज्य सरकार द्वारा रानी दुर्गावती के प्रति सम्मान स्वरूप किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सिंहरामपुर रानी दुर्गावती की राजधानी रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सोयाबीन उपार्जन के लिए नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो रही है और सभी मंत्री एवं जन-प्रतिनिधि अधिक से अधिक संख्या में किसानों का नामांकन सुनिश्चित करें।

2 गज जमीन भी नसीब नहीं! मुक्तिधाम पर दबंगों का कब्जा

पन्नाः मध्य प्रदेश की सरकार जन्म से लेकर मरने तक की कई योजनाएं चला रही है लेकिन पन्ना जिले के हालात कुछ और ही नजर आ रहे हैं। जिले की सबसे बड़ी ग्रामपंचायत इटवांकला में एक सरकारी कर्मचारी को मरने के बाद अंतिम संस्कार के लिए दो गज जमीन तक नसीब नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत के छात्रावास में पदस्थ कर्मचारी की बीमारी के चलते मौत हो गई लेकिन परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए पंचायत में मुक्तिधाम न होने से दो गज जमीन नहीं मिली। परिजनों व ग्रामीणों ने मिलकर पंचायत में अंतिम संस्कार के लिए लकड़िया डाल दी। लेकिन भनक लगते ही अधिकारियों ने चिता को हटवा दिया। बताया जा रहा है कि बीती सोमवार की रात्रि छात्रावास में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भैयालाल चौधरी की मृत्यु हो गई थी। मंगलवार की सुबह परिजनों जब अंतिम संस्कार की तैयारी की तो पता चला कि जहां चौधरी समाज पहले से अंतिम संस्कार करते रहे है। वहां गांव

के दबंगो ने अवैध कब्जा कर खेती करना शुरु कर दिया। मुक्तिधाम गांव में है ही नहीं। ऐसे में परिजनों को ग्रामीणों ने पंचायत भवन में ही अंतिम संस्कार के लिए लक?यां डाल दी। सरपंच व सचिव ने सभी को मौके पर पहुंचकर समझाया और फिर परिजनों ने अतिक्रमण वाली जमीन में ही अंतिम संस्कार किया। मृतक के भाई चिरौंजी लाल चौधरी ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि इस प्रकार हम कब तक परेशान होंगे। मुक्तिधाम जल्द से जल्द बन जाए तो यह समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी। वहीं ग्रामपंचायत सचिव गणेश कुशवाहा ने कहा कि इटवांकला कला में एक मुक्तिधाम मौजूद है। दूसरे का प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलने पर मुक्तिधाम बनवाया जाएगा। वहीं उन्होंने म?यन में मुक्तिधाम के विषय मे बताया कि 2.75 लाख की राशि स्वीकृत है। जिस जमीन पर मुक्तिधाम बनवाया जा रहा था उसमें विजय कुशवाहा नाम के व्यक्ति ने अवैध रुप स्व कब्जा कर रखा है। दरअसल, पन्ना जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत इटवांकला में इटवांकला पंचायत क्षेत्र में नयापुरा मड़ैयन,डोभा, लुधगवा,रामपुरा,गांव शामिल है। जिनमें डोभा गांव में दो मुक्तिधाम धाम है। बांकी पंचायत के किसी गांव में मुक्तिधाम नही है। इटवांकला में सिर्फ कागजों में मुक्तिधाम बना है। पंचायत की आबादी 8275 है। इसमें 4396 पुरुष,3879 महिला हैं।लेकिन गंभीर बात यह है कि जब पंचायत में किसी की मौत होती है तो उसके दाह संस्कार के लिए सरकारी सिस्टम में दो गज जमीन नहीं है। परिजनों को निजी जमीन में ही अंतिम संस्कार करना होता है।

जनहित में सरकार जल्द ले फैसला, अन्यथा गोवंश की रक्षा के लिए संत समाज करेगा आंदोलनः महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज

ग्वालियर भिण्ड इटावा को सिक्स लेन एवं गौमाता के रक्षार्थ प्रेस वार्ता कर संत जनों ने की 30 सितंबर को आंदोलन में भाग लेने की अपील की, संतों ने सरकार को दी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । ग्वालियर भिंड इटावा हाइवे सिक्स लेन की मांग गौ अभयारण की मांग को लेकर पूज्य संत जनों ने प्रेस वार्ता की महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज ने कहा अगर मानव जीवन गौ माता की रच्छा के लिए हमे सिर के बल खड़ा होना पड़े तो हम खड़े होने को तैयार हैं यह धर्म की लड़ाई है । 30 सितंबर 2024 को 11 बजे सभी धर्म प्रेमी हजारों की तादाद में बड़े हनुमान मंदिर अटेर रोड़ भिण्ड पहुँचने की अपील करते हुए पूज्य संत कालीदास महाराज जिला अध्यक्ष संत समाज ने कहा यह हम संतो का संकल्प है,सरकार जब तक लिखित में नहीं देती है,कि सिक्स लेन कब बनेगी तब तक हमारा भजन कीर्तन भिंड कलेक्ट्रेट पर ही होगा,महामंडलेश्वर पूज्य संत अवधूत श्री हरिनिवास ने अपने सभी शिष्यों से 30 सितंबर भिंड आने की अपील की,भूमिया सरकार पीठाधीश्वर हरिओम दास जी महाराज ने कहा की हजारों भक्त भिंड आए यह युवाओं और गाय माता के जीवन से जुड़ा प्रश्न है,संत समाज के जिला

महामंत्री राघवपुरी महाराज बोले जीवन के आखिरी सांस तक लड़ेंगे धर्म की लड़ाई ,हाईवे अभियान से जुड़े समाज सेवी सुनील फौजी ने सरकार से हाथ जोड़कर कहा 30 से पहले ही सरकार ठोस निर्णय ले अन्यथा संत समाज को सड़क पर आना कहीं न कहीं हम सभी को पीड़ा देता है, इस अवसर पर क्षत्रिय समाज केजिला अध्यक्ष रामावतार कुशवाह ने दंदरौआ महाराज को समर्थन पत्र सौपा,ब्राह्मण महासभा जिला अध्यक्ष सतीश जोशी ने महाराज को समाज की तरफ से समर्थन पत्र सौपा प्राइवेट स्कूल् एसोसिएशन ने आंदोलन के समर्थन में समर्थन पत्र सौपा इस परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष देवेश शर्मा ने भी आंदोलन को दिया समर्थन आदिनाथ भक्त मंडल ग्रुप ने भी आंदोलन का समर्थन किया । इस अवसर पर समाज सेवी अरविंद शर्मा,जितेंद्र फौजी,जीतू जामपुरा,भगवान दास सैंथिया,रॉकी तोमर,शैलेंद्र भदौरिया एडवोकेट, पंकज दीक्षत,बंटी पुरोहित,पंकज शुक्ला,रोमी चौहान, रिशेंद्र राजावत,वीरेंद्र वर्मा,कुलदीप भदौरिया,नाथूराम मिश्र,सहित सैंकड़ों नौजवान उपस्थित रहे ।

दबोह भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। भारतीय जनता पार्टी मंडल दबोह के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को गणेश चौक पर भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरूष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई।इसके पश्चात सभी कार्यकर्ता अपनी अपनी बाडों में नवीन सदस्य बनाने के लिए निकल गए।कार्यक्रम में सर्वप्रथम भारतीय जनता पार्टी के वयोवृद्ध नेता भगवान नायक ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर तिलक लगा कर माल्यार्पण किया और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।इस दौरान भगवान नायक ने कहा कि अंत्योदय का नारा देने वाले दीनदयाल उपाध्याय का कहना था कि अगर हम एकता चाहते हैं,तो हमें भारतीय राष्ट्रवाद को समझना होगा,जो हिंदू राष्ट्रवाद है और भारतीय संस्कृति हिन्दू संस्कृति है।उनका कहना था कि भारत की जड़ों से जुड़ी राजनीति,अर्थनीति और समाज नीति ही देश के भाग्य को बदलने का सामर्थ्य रखती है।कोई भी देश अपनी जड़ों से कटकर विकास नहीं कर सका है।इस दौरान महामंत्री रविन्द्र चिकवा, राममोहन मुदगिल,परमाल सिंह गुर्जर,ब्रजेंद्र गुर्जर,राजेंद्र यादव, ललता कुशवाह, जगमोहन तेहरिया, संजीव यादव, मुन्ना यादव, जसमन्त दोहरे, टिंकू दीक्षित, शेरे पठान, गुड्डू यादव, अखिलेश उदैनिया, जितेंद्र यादव, नारायण सिंह, शोभित कुरचानिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेटियों को खेलने दें वे आपका गौरव बढाएंगी - पेरिस ओलंपिक प्रतिभागी पूजा ओझा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मेरा भिण्ड के रहवासियों से अपील है,कि बेटियों को खेलने दें वे आपका गौरव बढाएंगी और देश में भी परिवार के साथ आपका नाम रोशन करेंगी । बेटी बोझ नहीं है,मेरे माता - पिता ने मेरी इस बात को समझा परिणाम आपके सामने है। उक्त बात पेरिस ओलंपिक प्रतिभागी भिण्ड की पूजा ओझा ने कही । वे मप्र जनअभियान परिषद द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोल रही थीं । इस अवसर चिकित्सक डॉ शैलेंद्र परिहार,वरिष्ठ समाजसेवी शैलेष नारायण सिंह,भारत विकास परिषद प्रकल्प प्रमुख व समाजसेवी श्रवण पाठक,वरिष्ठ समाजसेवी एवं खेल प्रशिक्षक राधेगोपाल यादव सहित जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह, विकासखंड समन्वयक लहार और मेहगांव तथा मेंटर,नवांकुर संस्था प्रतिनिधि,छात्र,प्रस्फुटन समिति के सदस्य मौजूद थे । कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया और आभार प्रदर्शन विकासखण्ड समन्वयक जय प्रकाश शर्मा ने किया।

कार्यालय कलेक्ट्रेट सभागार में जन अभियान परिषद की तरफ से आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए जिला समन्वयक ने कहा कि अब वह समय लद गया जब यह कहा जाता था कि खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब और पड़ोगे लिखोगे तो बनोगे

नबाव,आज खेलों में युवाओं ने अपनी पहचान बनाकर सिद्ध किया है कि यदि प्रतिभा को सही जगह मिले तो वह भी विश्व में परचम फहरा सकती है। भिण्ड की बेटी ने पूरे विश्व में अपनी धाक जमाई है यह हमारे लिये गौरव की बात है। वरिष्ठ समाज सेवी खेल प्रशिक्षक राधे गोपाल यादव ने कहा कि जब गौरी पर इन खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया करता था तो विश्वास था कि यह एक दिन अपना नाम जरूर रोशन करेंगी आज यह सिद्ध हो गया। पूजा ने भिण्ड की बेटियों के साथ साथ देश की बेटियों को भी एक रास्ता दिखाया है कि दिव्यांगता बाधा नहीं है यदि मन में ठान लिया जाए तो सब पाया जा सकता है। भिण्ड को आज पूजा पर गर्व है। खिलाड़ी पूजा ने कहा कि मेरा आप सभी से संदेश है,कि अपनी बेटियों को उनके मन का करने दें। उनका मन पड़ने में है तो पड़ने दें यदि उनका मन खेलने का है तो उनको खुलकर खेलने दें। आप अपनी बेटियों पर यकीं रखें वे आपका नाम रोशन करेंगी ही। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुये कहा कि मुझे देखो दिव्यांग और जवान बेटी होने के बाद भी मेरे माता पिता ने मुझ पर विश्वास किया आज परिणाम यह है कि मैं आप सबसे सम्मान पा रही हूं। हमारे यहां बेटियों में बहुत प्रतिभा है आप बस उन्हें बाहर आने दीजिये। इस अवसर पर कोच राधेगोपाल यादव का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया और आभार प्रदर्शन विकासखंड समन्वयक जयप्रकाश शर्मा ने किया।

जय प्रकाश जनता दल में हुआ बड़ा फेरबदल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल। जय प्रकाश जनता दल मे बड़ा फेरबदल हुआ 2024 में प्रदेश पदाधिकारियों को पदो उन्नति करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उन पर विश्वास जताते हुए राजकुमार भदौरिया को प्रदेश उपाध्याय से राष्ट्रीय सचिव बनाया वहीं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी खरे को प्रदेश अध्यक्ष से महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया, वहीं प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा की कमान शीतल नरवरिया को दी गई । इन सभी ने प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश एव राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आभार ब्यक्त किया। ओर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों राष्ट्रीय प्रधान सचिव जीतेश यादव राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस. के जैन राष्ट्रीय सचिव सतीश सिंह चंद्रबंसी एवं राष्ट्रीय सचिव बी. एल. यादव का आभार व्यक्त करते हुए पूर्ण निष्ठा से पार्टी हित में कार्य करने का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान में शामिल होंगे जिले के 424 गांव

02 अक्टूबर को अभियान का होगा शुभारंभ

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पहल पर जनजातीय बहुल गांव एवं आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों के लिए परिपूर्णता लक्ष्य अपनाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यह अभियान 02 अक्टूबर को झारखण्ड राज्य से प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान में देश के 63 हजार गांव शामिल किये गए हैं। इस अभियान से देश के 05 करोड़ से अधिक जनजातीय लोगों को लाभ पहुंचेगा। इस अभियान में खरगोन जिले के 09 विकासखण्ड के 424 ग्रामों को शामिल किया गया है। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने 25 सितंबर को इस अभियान से जुड़े विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर 02 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शुभारंभ कार्यक्रम तथा इस अभियान में किये जाने वाले कार्यों को लेकर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्या, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री एमएस सिसोदिया, उप संचालक कृषि श्री मेहताब सिंह सोलंकी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएस अचाले, एनवीडीए के कार्यपालन यंत्री श्री परस्ते एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में निर्देशित किया गया कि 02 अक्टूबर को प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम जिला स्तर पर पीजी कॉलेज खरगोन में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत बड़वाह विकासखण्ड के 28, महेश्वर में 31, कसरावद के 29, भगवानपुरा के 98, भीकन।

प्रेम प्रसंग को चलते महिला के पति की चाकू मारकर हत्या करने, जघन्य सनसनीखेज एवं चिन्हित प्रकरण में आरोपी आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड की सजा

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

घटना दिनाक 28-10-2023 को मृतक छोटे खान सिंघाना मनावर जिला धार से बडवाह आया था तभी उसके घर पैदल-पैदल जा रहा था, तभी जमात खाने के पीछे की गली में आरोपी राज सोनकर मिलने पर दोनो के मध्य वाद-विवाद, हाथापाई हो गई। आरोपी राज सोनकर वहां से चला गया, उसके बाद मृतक उसके घर चला गया, उसने उसकी पत्नि को राज सोनकर के साथ हुऐ झगडे के बारे में बताया। तभी मृतक द्वारा गली में रहने वाली महिला की आवाज दी तो वह भी घर आ गई। मृतक छोटे खान घर पर ही था, तभी शाम करीब 5.30 बजे राज सोनकर हाथ में चाकु लेकर घर में घुस कर कई बार चाकु से सीने में मार दिया। घटना के दौरान मृतक की पत्नि द्वारा बीच बचाव करने पर आरोपी ने धक्का देकर गिरा दिया। जिससे उसको भी चोट आयी थी। उसके बाद आरोपी राज सोनकर घटना स्थल से भाग गया। मृतक को बहोशी की हालत में बडवाह सरकारी अस्पताल ईलाज के लिये ले गये जहाँ ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई है। उक्त घटना की सूचना पर थाना बड़वाह पर आरोपी राजु सोनकर के विरुध्द थाना बड़वाह पर अपराध क्रमांक 615/23 धारा 323,450,302 भादवि का अपराध पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया। प्रकरण में घटना की सूचना प्राप्त होने पर तत्कालीन थाना प्रभारी बड़वाह निरीक्षक श्री रामेश्वर ठाकुर के द्वारा घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण किया गया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर आरोपी राजा उर्फ राज पिता राजु सोनकर उम्र 25 साल निवासी राम मंदिर के पास दशहरा मैदान बड़वाह को दिनांक 29-10-2023 को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण के आरोपी राजा उर्फ राज पिता राजु सोनकर द्वारा मृतक की पत्नि से अवैध संबंध को लेकर चाकु मारकर निर्मम हत्या कारित करने जैसी अमानवीय कृत्य किया गया था। प्रकरण की घटना को गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए प्रकरण को जघन्य एवं सनसनीखेज चिन्हित श्रेणी में शामिल किया गया था। प्रकरण में अनुसंधान के दौरान आरोपी राजा उर्फ राज पिता राजु सोनकर के विरुध्द प्रर्याप्त साक्ष्य संकलन कर चालान कता किया जाकर माननीय न्यायालय में दिनांक 18-01-2024 पेश किया गया। माननीय तृतीय अपर सत्र न्यायालय बड़वाह के प्रकरण सत्र क्रमांक 02/2024 पर विचाराधीन था। पुलिस अधीक्षक जिला खरगोन के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक खरगोन के मार्गदर्शन में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारियों को चिन्हित प्रकरणों में विशेष ध्यान देकर समंस वारंट, जमानतीय वारंट तामील कराने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त प्रकरण में माननीय न्यायालय तृतीय अपर सत्र न्यायालय बड़वाह के प्रकरण सत्र क्रमांक 02/2024 पर आरोपी राज उर्फ राजा पिता राजु सोनकर निवासी राम मंदिर के पास दशहरा मैदान बड़वाह के विरुध्द विचाराधीन था। विचाराधीन के दौरान माननीय न्यायालय बड़वाह द्वारा आज दिनांक 25-09-2024 को निर्णय पारित करते हुए आरोपी राजु उर्फ राजा पिता राजु सोनकर के विरुध्द निर्णय पारित करते हुए आजीवन कारावास एवं 11000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। जघन्य सनसनीखेज एवं चिन्हित श्रेणी में शामिल प्रकरण के आरोपी राज उर्फ राजा पिता राजु को चालान पेश होने के बाद 08 माह में सजा दिलाने में विशेष लोक अभियोजन अधिकारी बड़वाह श्री दिलीपसिंह कनेश, तत्कालीन थाना प्रभारी बड़वाह निरीक्षक श्री रामेश्वर ठाकुर, पैरवीकर्ता अधिकारी उप निरीक्षक अजय कुमार झा तथा पुलिस थाना बडवाह स्टाफ का विशेष योगदान रहा है।

नौ वर्षीय बालिका के बलात्कार के विरोध में महिला कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम एसपी को ज्ञापन सौंपा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्य प्रदेश कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका किरार के निर्देश अनुसार कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ भिण्ड की जिला अध्यक्ष सीमा शर्मा ने मुरैना जिले की अंबाह तहसील के कीचौली गांव में नौ वर्षीय बालिका के बलात्कार को लेकर महामहिम राज्यपाल के नाम पुलिस अधीक्षक डॉ असित यादव को ज्ञापन सौपा । उक्त ज्ञापन में मांग की गई मुरैना जिले के अंबाह ब्लॉक के ग्राम किचोल में 9 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ बलात्कार की घटना घटित हुई है, जिले में लगातार मासूम बेटियों के साथ अन्याय अत्याचार की घटनाएं चरम पर है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही नहीं होने के कारण घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है उक्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही एवं उनके शीघ्र गिरफ्तारी की जावे नहीं तो महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी लगातार प्रशासन की नाकामी और लापरवाही के कारण अपराधियों की हिम्मत दिन-दिन बढ़ती जा रही है और मासूम बेटियों की आजादी पर कुठाराघात किया जा रहा है,आपसे विनम्र अनुरोध है,कि बच्ची को समुचित इलाज के साथ ही 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाने की मांग की हैं । ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस भिण्ड के जिला अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा,नगर कांग्रेस अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी महिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रेखा भदोरिया, राहुल कुशवाह,महिला सेवादल कांग्रेस की पूर्व जिला अध्यक्ष रीना चौहान, पूर्व पार्षद सुनीता दोहरे अकोड़ा, प्रमोद दीक्षित, पीसी निशा, कल्पना सक्सेना, सुनीता ओझा, सुशीला, जानकी, नीरज जैन शामिल हुए।

वाह रे हमारे भिंड से सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के चुने हुए जनप्रतिनिधि और सभी पार्टियों के नेतागण

उमाकांत शर्मा, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले के लिए यह बहुत ही चिंता का विषय है,कि आज हमारे यहाँ एक छोटी सी बात के लिए संतो को आगे आना पड़ रहा है । सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि और नेतागण लंबे समय से चली आ रही मांग पर कोई ध्यान नहीं दे रहे,तो वहीं धरना प्रदर्शन एवं आन्दोलन ये सब करना विपक्ष का काम है,जिससे सरकार के संज्ञान में मुद्दा आये और उस पर विचार विमर्श करके उसको मौजूदा सरकार द्वारा हल कर दिया जाए। लेकिन यहाँ तो सब विपरीत ही दिखाई दे रहा है । सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि और नेतागण सत्ता के नशे में चूर है,तो वहीं विपक्षी पार्टियों के नेतागण चुप्पी साधे बैठे हुए हैं । हालात इतने गम्भीर हो गए हैं,कि संतो व समाजसेवियों एवं पत्रकारों को आगे आना पड़ रहा है,इस जिले के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य और कुछ नहीं हो सकता है। वैसे तो जब चुनाव प्रक्रिया शुरू होती है,तब से ही सभी पार्टियों के उम्मीदवार जिन संतो का आशीर्वाद एवं आसरा लेने के लिए एक लंबी कतार में खड़े होते हैं,तब इनके लिए संत ही सब कुछ हो जाते हैं,लेकिन जैसे ही जीत हासिल होती है,वैसे ही इनके लिए संत भी एक आम आदमी की तरह हो जाते हैं।इन मौकापरस्त नेताओं द्वारा जनता की चाटूकारिता तब तक की जाती है,जब तक चुनाव का फैसला नहीं आता है फैसला आने के बाद आगामी कुछ वर्षों के लिए जनता को पूरी तरह से भुला दिया जाता है,या फिर ऐसा व्यवहार किया जाता है,जैसे अब इनसे कभी कोई काम नहीं पड़ना है। देखते हैं,कि इस मांग को लेकर संतो, समाजसेवियों एवं पत्रकारों और आमजनता द्वारा 30 सितंबर को किया जाने वाला धरना - प्रदर्शन - आंदोलन एवं ज्ञापन देने के बाद सरकार नींद से जागेगी या फिर यूं ही कुम्भकर्ण की नींद सोती रहेगी ।

भाजपा अजा मोर्चा ने राहुल गांधी के आरक्षण विरोधी बयान लेकर गांधी मार्केट पर किया प्रदर्शन

आरक्षण के विरोध में राहुल गांधी का बयान बेहद निदंनीय-संध्या राय

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी जिला भिण्ड द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति राहुल गांधी द्वारा अभद्र शब्दों का प्रयोग किए जाने के खिलाफ भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा शहर के गांधी मार्केट पर एक दिवसीय धरना देकर विरोध प्रकट किया गया जहां भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिण्ड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर शामिल हुई और उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष की आरक्षण विरोधी मानसिकता को लेकर कहा कि राहुल गांधी ने हमारे बाबा साहब के संविधान पर कीचड़ उछलना का प्रयास किया है जिन्होंने कभी संविधान देखा नहीं। ने कहा कि जो कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष संविधान की बात कर रहे हैं जिन्होंने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को लोकसभा सदन में जाने से रोक कर अनुसूचित जाति समाज के साथ तुष्टिकरण की नीति चलकर अन्याय किया था। धरना स्थल पर मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस विरोधी नारे लगाकर अपना विरोध प्रकट करते हुए प्रदर्शन किया।गांधी मार्केट पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन आंदोलन में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सांसद श्रीमती संध्या राय ने राहुल गांधी के बयान की भर्त्सना की। उन्होंने धरना स्थल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि की लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में दिए बयान को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता

अपने राजनीतिक हित साधने के लिए संविधान और संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग करते रहे हैं। संविधान और दलितों के अपमान की भावना उसकी नस-नस में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में दिया गया बयान भी कांग्रेस की इसी भावना का परिचायक है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा उनके इस बयान की निंदा करता है और इसके खिलाफ प्रदेश के हर जिले में जनजागरण किया जा रहा है। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि राहुल गांधी के बयान से पूरे देश के अजा समाज में आक्रोश है। कांग्रेस पार्टी ने लगभग 57 वर्षों तक देश पर शासन किया,लेकिन इस दौरान कभी उसने संविधान में प्रदत्त मूलभूत आरक्षण के सिद्धांत को सही भावना और स्वरूप में लागू करने की इच्छा शक्ति नहीं दिखाई। पं. नेहरू ने ही बाबा साहेब अंबेडकर के सामाजिक और राजनीतिक जीवन का समाप्त करने का षडयंत्र रचा। कांग्रेस ने डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर का हमेशा अपमान किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में दिया गया बयान बेहद निदंनीय है,जिसका मोर्चा पुरजोर विरोध करता है। मोर्चा पूरे प्रदेश में विरोध दर्ज करा रहा हैं। धरना प्रदर्शन में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष पिंकी सागर एडवोकेट महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती आभा जैन,मध्य प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व दर्जा राज्य मंत्री प्राप्त सुनील बाल्मिक, अशोक बाल्मिक,अनुज बाल्मिक महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष विनीत सोनी,पूर्व जिला महामंत्री उपेंद्र सिंह भदौरिया,जिला महामंत्री धर्मेंद्र सिंह मौर्य,छत्रसाल सिंह चौहान देवेंद्र जैन दाढ़ी,शेखर खटीक,भानु प्रताप सिंह,मनीष सिंह,मोहित कनेरिया,विपिन सिरोलिया,रवि हिंडोरिया जिला मंत्री सोनू करसोलिया,डॉ रामकुमार शाक्य, जिला उपाध्यक्ष मदन सिंह आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंयती पर जिला स्तरीय व्याख्यान माला हुआ आयोजन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

25 सितम्बर को म.प्र जन अभियान परिषद जिला खरगोन के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जंयती के अवसर पर अंत्योदय विचार धारा पर जिला स्तरीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। आयोजन के शुभारम्भ के अवसर पर माँ भारती पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण व दिप प्रज्वलन का मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री एवं विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, विशेष अतिथि श्री बापुसिंह परिहार उपाध्यक्ष जिला पंचायत खरगोन एवं श्री भागीरथ कुमावत पूर्व उपाध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल, श्री संतोष पाटीदार, श्री महेन्द्र पटेल अध्यक्षता विजय शर्मा जिला समन्वयक जन अभियान परिषद खरगोन के द्वारा की गई। विशेष मुख्य अतिथी श्री बालकृष्ण पाटीदार द्वारा अपने उदबोदन में कहा कि पंडित जी एक विराट विचारक व दार्शनिक थे। जिन्होने अंत्योदय मानववाद व अंतिम व्यक्ति का चिंतन बहुत पहले किया। हम सभी को उनकी विचार को आगे बढाना चाहिए। अंतिम व्यक्ति तक विकास और उन्नति होनी चाहिए। वसुदेव कुटुम्बंम के आधार पर नीचले स्तर तक अंतिम व्यक्ति के समस्याओं का समाधान कैसे हो उसका हल निकाल कर हमें समस्याओ का समाधान करना चाहिए। समृध्द भारत उन्नत भारत विकसीत भारत की कल्पना व विचार पंडित जी ने सर्वेभवन्तु सुखी न सर्वेसन्तु निरामाया सनातन राष्ट्र की ओर अग्रसर है। द्वितीय सत्र में श्री बापुसिंह परिहार द्वारा हम सब मिलजुकर अंतिम व्यक्ति को समृध्द बनाने की ओर कार्यरत है। मनुष्य को जोड़ता विश्व एक परिवार विश्व का कल्याण हो व हमारे सभी जन सुखी रहे। श्री भागीरथ कुमावत द्वारा अंत्योदय पर अपनी बात कही कि हमे अंतिम व्यक्ति को जोड़ना है, विचार एक परिवार न होकर समग्र राष्ट्र का विकास है। आज भारत आत्म निर्भरता की ओर बढ रहा है।

संपादक की कलम से

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुसंधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है।

क्वॉड के मंच से चीन को चेतावनी

- अरविंद जयतिलक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

अमेरिका के डेलवेयर के विलमिंगटन में क्वॉड (क्वाड्रिलेटरल सेक्युरिटी डायलॉग) देशों का ऐतिहासिक सालाना लीडर्स समिट संपन्न हो गया। इस समिट में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा क्वॉड के सदस्य देशों मसलन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और आस्टेंज्लिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शिरकत की। सदस्य देशों ने अपने साझा बयान में दक्षिण चीन सागर का जिक्र करते हुए दो टूक कहा कि ह्यहम पूर्वी दक्षिण चीन सागर के हालात को लेकर चिंतित हैं और सभी को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना चाहिए।ह्न

उल्लेखनीय है कि क्वॉड देशों का इशारा उस चीन की ओर है जो दक्षिण चीन सागर में अपनी दादागिरी दिखा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने अनौपचारिक बातचीत के दरम्यान कहा कि चीन क्वॉड देशों की परीक्षा ले रहा है। इसके अलावा सदस्य देशों ने आतंकवाद और हिंसक चरम पंथ की भी जमकर निंदा की। साथ ही इससे निपटने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी जतायी। भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि क्वॉड समूह के देश किसी देश के खिलाफ नहीं है। बल्कि हम सभी कानून पर आधारित इंटरनैशनल सिस्टम, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान और मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के समर्थन में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि क्वॉड समूह किसी भी ऐसी एकतरफा कार्रवाई का दृढ़ता से विरोध करता है, जो बल अथवा दबाव के जरिए यथास्थिति को बदलने की कोशिश करता है। किसी से छिपा भी नहीं है कि चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है। वहीं वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस, ताइवान और ब्रुनेई अपना-अपना दावा करते हैं। चीन यहां नकली द्वीप बनाकर अपने सैनिकों को तैनात कर रहा है। इसी खतरे को भांपते हुए क्वॉड के सदस्य देशों ने रणनीति के तहत इस क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने की नीति में तेजी लायी है। देखें तो क्वाड के सदस्य देशों में कोई ऐसा नहीं है जिसका चीन से तनातनी न हो।

बहरहाल दक्षिण चीन सागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्वॉड देशों की नई गोलबंदी से चीन उत्तेजित है और नाराजगी जाहिर करते हुए बार-बार कह रहा है कि क्वॉड देश इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि इस क्षेत्र की संप्रभुता को मिल रही चुनौती के लिए एकमात्र चीन ही जिम्मेदार है। उसके द्वारा निर्मित इस परिस्थिति से निपटने के लिए ही क्वॉड जैसे संगठन की जरुरत महसूस की गई। याद होगा 2007 में भारतीय संसद को संबोधित करते हुए जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने स्पष्ट रुप से कहा था कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती सामरिक चुनौतियों से निपटने के लिए हम सभी को तैयार रहना होगा। उनकी दूरदर्शी सोच और परिकल्पना ही आगे चलकर क्वॉड के गठन का आधार बनी।

गौर करें तो क्वॉड के गठनकाल से ही चीन की बेचैनी बढ़ी हुई है। उसे लग रहा है कि क्वाड में शामिल देश उसके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। वह क्वाड को एक उभरता हुआ ह्यएशियाई नाटोह्न के तौर पर देख रहा है। वह जानता है कि क्वाड की मजबूती से इस क्षेत्र में उसकी मनमानी पर नियंत्रण लगेगा और समुद्र के जरिए दुनिया पर राज करने की उसकी मनोकामना पूरी नहीं होगी। यह सच्चाई भी है कि क्वॉड का लक्ष्य प्रशांत महासागर, अमेरिका और आस्टेंज्लिया में विस्तृत नेटवर्क के जरिए जापान और भारत के साथ मिलकर इस क्षेत्र में एक ऐसा वातावरण निर्मित करना है जिससे एक स्वतंत्र, खुली और समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त हो। नेविगेशन की स्वतंत्रता हो तथा ओवर-फ्लाइट एवं आसियान के निर्माण को लेकर काम किया जाए। समझना होगा कि क्वॉड के सदस्य देश अपने पहले वर्चुअल सम्मेलन के दौरान ही चीन को अपने हद में रहने की सलाह दे चुके हैं। तब अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा था कि आस्ट्रेलिया के साथ चीन की आक्रामकता, जापान के सेनकाकू द्वीपों के आसपास उत्पीड़न और भारत के साथ सीमा पर तनातनी को लेकर अमेरिका किसी भ्रम में नहीं है। वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हर परिस्थितियों से निपटने को तैयार है। याद होगा गत वर्ष इसी क्षेत्र में अमेरिका समेत 13 देशों ने ह्यहिंद-प्रशांत आर्थिक समूहह्न (आईपीईएफ) व्यापारिक समझौते को आकार देकर चीन की बढ़ती दादागीरी और धौंसबाजी पर निर्णायक लगाम लगाने की कवायद की थी। इस आर्थिक ढांचे से जुड़ने वाले देशों में अमेरिका के अलावा आस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया भर के प्राकृतिक संसाधनों पर गिद्ध दृष्टि लगा बैठे चीन इस क्षेत्र में चोरी-छिपे मछलियों का बड़े पैमाने पर शिकार कर रहा है। इस क्षेत्र में नब्बे फीसदी से अधिक मछलियों के शिकार के लिए एकमात्र बीजिंग ही जिम्मेदार है। उसके जहाज जबरन विशेष आर्थिक जोन की सीमा में प्रवेश कर जाते हैं और पर्यावरण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान को अंजाम देते हैं। चीन की इस हरकत से सभी देश परेशान है। दूसरी ओर वह इस इलाके में सुरक्षा बेड़ा खड़ा कर अन्य देशों की संप्रभुता और सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। ऐसे में उस पर नकेल कसना बेहद जरुरी हो गया है। अच्छी बात है कि इस क्षेत्र के सदस्य देशों के बीच सहमति बनती जा रही है। सभी देश सैटेलाइट सिस्टम का इस्तेमाल कर चीन की हरकतों पर लगाम कसने को तैयार हैं। द्वीपीय देशों का भारत के साथ आने से चीन की बेचैनी और छटपटाहट और बढ़ेगी। लेकिन जिस तरह से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देश चीन के खिलाफ मोर्चा बना रहे हैं उससे स्पष्ट है कि इस क्षेत्र में अब चीन की दादागीरी नहीं चलने वाली है। चीन के खिलाफ यह पहल इसलिए भी आवश्यक है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी है। मौजूदा समय में यह क्षेत्र भू-राजनीतिक व सामरिक रुप से वैश्विक शक्तियों के मध्य रण का क्षेत्र बना हुआ है। इस क्षेत्र की जनसंख्या विश्व की जनसंख्या के तकरीबन एक तिहाई से ज्यादा है। विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 60 फीसदी और विश्व व्यापार का 75 फीसदी कारोबार इसी क्षेत्र से होता है। देखें तो इस क्षेत्र में अवस्थित बंदरगाह विश्व के व्यस्ततम बंदरगाहों में शुमार हैं। यह क्षेत्र इसलिए भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि यहां उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाले क्षेत्रीय व्यापार और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। किसी से छिपा नहीं है कि यह क्षेत्र उर्जा व्यापार के लिहाज से भी इस क्षेत्र के देशों के लिए अति संवेदनशील है। ऐसे में इस क्षेत्र को आर्थिक व सामरिक दृष्टि से सुरक्षित रखने के लिए ही क्वाड के अलावा ह्यहिंद-प्रशांत आर्थिक समूहह्न और ह्यभारत-प्रशांत द्वीप सहयोगह्न जैसे नए-नए गठजोड़ आकार ले रहे हैं।

तथ्य यह भी कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को ह्यमुक्त एवं स्वतंत्रह्न क्षेत्र बनाने के लिए अमेरिका भारत-जापान संबंधों के महत्व को सार्वजनिक रुप से स्वीकार चुका है तथा साथ ही अमेरिका के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र की नीति सर्वोच्च प्राथमिकता में है। दो राय नहीं कि विगत दशकों में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के मंच पर चीन की विशिष्ट पहचान बनी है और वह आर्थिक सुधारों के जरिए विश्व की एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। लेकिन अब वह जिस आक्रामक तरीके से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी दखलदांजी बढ़ा रहा है उससे अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया, जापान के अलावा इस क्षेत्र से जुड़े अन्य देशों का चिंतित होना लाजिमी है।

चीन इन देशों की मौजूदा गोलबंदी को समझ रहा है इसीलिए वह इन देशों की भू-संप्रभुता व सामुद्रिक सीमा का लगातार अतिक्रमण कर रहा है। दरअसल उसकी मंशा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत, आस्टेंज्लिया, फ्रांस और जापान की भूमिका को सीमित कर अपने प्रभाव का विस्तार करना है। उसे भय है कि अगर इस क्षेत्र में इन देशों की निकटता बढ़ी तो परिस्थितियां उसके प्रतिकूल हो सकती है। इसलिए और भी कि जापान ह्यएशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोगह्न (एपीईसी) संगठन में भारत की सदस्यता का लगातार वकालत कर रहा है। चीन अच्छी तरह जानता है कि अगर भारत इस संगठन का सदस्य बनता है तो उसकी मनमानी और विस्तारवादी नीति पर लगाम लग सकता है।

एक देश, एक चुनाव : जनतंत्र और संघवाद पर चोट

- राजेन्द्र शर्मा

सभी जानते हैं कि कोविंद कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने के लिए, शुरूआत ही कई विधानसभाओं के कार्यकाल पांच साल की तय अवधि से घटाने या बढ़ाने से करनी होगी, ताकि चुनाव साथ-साथ हो सकें। यानी शुरूआत ही, राज्य विधानसभाओं की स्वायत्तता पर भारी और बुनियादी हमले से की जाएगी! नरेंद्र मोदी की सरकार ने आखिरकार, तथाकथित 'एक देश, एक चुनाव' के अपने नारे पर अमल की राह पर कदम उठाने का फैसला कर लिया है। इस दिशा में पहला आधिकारिक कदम उठाते हुए, केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्व-राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय कमेटी की सिफारिशों पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा दी। कोविंद कमेटी ने मार्च के महीने में राष्ट्रपति को अपनी सिफारिशें दे दी थीं, जिनमें नरेंद्र मोदी के इस चहेते 'सुधार' को लागू करने के तरीके सुझाए गए हैं। मोदी सरकार के पहले सौ दिन पूरे होने और प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिन के अगले ही दिन, मंत्रिमंडल के इस फैसले की घोषणा, इससे हैडलाइन प्रबंधन के हित साधे जाने की ओर, काफी साफ तौर पर इशारा करती है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने के जश्न का जितना शोर था, उसे देखते हुए उसकी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने-बताने के लिए कुछ खास चूंकि नहीं था, 'एक देश एक चुनाव' के मोदी सरकार के फैसले को ही बड़ी हैडलाइन बनाने की कोशिश की जा रही थी।

इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि मंत्रिमंडल के अनुमोदन की घोषणा के बावजूद, यह स्पष्टह्न है कि खुद मोदी सरकार भी, अपने इस प्रिय नारे के निकट भविष्य में अमल में आने की कोई संभावना नहीं देख रही है। इसकी वजह सिर्फ यही नहीं है कि इस व्यवस्था को अमल में लाने के लिए, देश के कानूनों में ही नहीं, संविधान में भी इतने सारे संशोधनों की आवश्यकता होगी, जो सब आसानी से होने वाला नहीं है। सभी जानते हैं कि संविधान संशोधनों के लिए संसद के दोनों सदनों से दो-तिहाई बहुमत से अनुमोदन की और कुछ मामलों में आधे से अधिक राज्यों के अनुमोदन की भी जरूरत होगी; और अपनी उल्लेखनीय रूप से घटी हुई ताकत के चलते मोदी सरकार अब, विपक्ष के खासे बड़े हिस्से के समर्थन के बिना इन संविधान संशोधनों के पारित होने की उम्मीद कर ही नहीं सकती है।

इसी को सच्चाई को देखते हुए, मोदी सरकार के अब तक के मिजाज के विपरीत और उसकी घटी हुई ताकत के अनुरूप, इस योजना को लागू करने के लिए मंत्रिमंडल में से एक इंप्लीमेंटेशन ग्रुप के गठन का ही ऐलान नहीं किया गया है बल्कि सरकार की ओर से इसका भरोसा दिलाने की भी कोशिश की गयी है कि वह तो इस मामले में कंसेंसस यानी सर्वानुमति बनाना चाहती है। कंसेंसस बनाने की इच्छा का यह दिखावा इसे उजागर करने के लिए काफी है कि खुद सरकार भी, इस मामले में जल्दी से कोई प्रगति होने की उम्मीद नहीं रखती है। वास्तव में, सरकार की ओर से उक्त निर्णय की घोषणा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने न सिर्फ इस पर अमल के लिए कोई ठोस समय सीमा बताने से इंकार कर दिया, उन्होंने 2029 के आम चुनाव से इस पर अमल शुरू होने का आश्वासन देने तक से इंकार कर दिया! इस लिहाज से इस फैसले की तुलना, महिला आरक्षण के मोदी सरकार के ही फैसले से किए जाने पर भी किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। महिला आरक्षण के भी 2029 के आम चुनाव तक लागू हो पाने के तो कोई आसार हैं ही नहीं।

नरेंद्र मोदी की 'बड़े फैसले' लेने वाले नेता की आत्मछवि के लिए अब ऐसे फैसलों पर निर्भरता बढ़ती जा रही लगती है, जो प्रचार के लिए तो बड़े फैसले हैं, पर जिनका जमीन पर उतरना बहुत दूर नजर आता है। 2024 के आम चुनाव में भाजपा के बहुमत से नीचे रह जाने और सरकार बनाने के लिए गठबंधन की राजनीति करने पर निर्भर हो जाने के बाद, आम तौर पर ऐसा समझा जा रहा था कि अब मोदी सरकार को, 'एक देश एक चुनाव' और 'समान नागरिक संहिता' जैसे अपने नारों को उठाकर रखना पड़ेगा, जिनको यथार्थ में उतारना वैसे भी बहुत मुश्किल था। बहरहाल, तीसरी पारी में भी कुछ भी नहीं बदलने की शुरू से ही छवि बनाने में सचेत रूप से जुटी मोदी सरकार ने, अपने मंसूबों में कुछ बदलाव नहीं होने की हवा बनाने के लिए, 'एक देश एक चुनाव' के मुद्दे को आगे बढ़ाने का फैसला कर लिया लगता है, भले ही इस पर अमल हो सकने की खुद उसे भी उम्मीद नहीं हो।

श्राद्ध पक्ष में नफरत के तर्पण की जरूरत

@ राकेश अचल
******

दिशाहीन, कसैली, विषैली सियासत पर लिखते-लिखते अब ऊब होने लगी है। इसलिए आज श्राद्ध पक्ष पर लिख रहा हूँ। भारत में श्राद्ध पक्ष का बहुत महत्व है। मान्यताएं हैं, अस्थायें हैं। हमारे पूर्वजों ने पूर्वजों की आत्मशांति और उनके प्रति श्रृद्धा व्यक्त करने के लिए पूरे पन्द्रह दिन मुकर्रर किये हैं। पंचभूत में विलीन हमारे पूर्वजों की देह हम नदियों में प्रवाहित कर देते हैं किन्तु उनकी आत्माओं के बारे में हमारे पास कोई प्रबंध नहीं है। हमें लगता है कि पूर्वजों की आत्माएं भटकतीं है। उन्हें भूख-प्यास भी लगती है इसलिए ब्राम्हणों के जरिये, कौवों के जरिये, पशु- पक्षियों के जरिये हम उन्हें भोजन, वस्त्र और न जाने क्या-क्या पहुँचाने की कोशिश करते हैं। और जब थक जाते हैं, पक जाते हैं, तो पिंडदान कर देते हैं।

स्थापित मान्यताओं के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना, क्योंकि ये आज का विषय नहीं है। मेरा तो आग्रह ये है कि हम इस श्राद्ध पक्ष में यदि कुछ तर्पण करना ही चाहते हैं, पिंडदान करना ही चाहते हैं तो हमें नफरत का, ईर्ष्या का, घृणा का पिंडदान करना चाहिए ताकि समाज, देश, आसपड़ोस सुख से रह सके। सुख अब दिनों-दिन अलभ्य होता जा रहा है। लोग सुख देने के बजाय उसे छीनने की स्पर्द्धा में जुटे हुए हैं। भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में ये छीना-झपटी चल रही है। छीना-झपटी का चरम युद्ध में तब्दील होजाता है। दुनिया में कहाँ-कहाँ ये नफरत युद्ध में तब्दील हो चुकी है, ये आप सभी जानते हैं।

बात नफरत की चली तो मुझे भारतीय राजनीति की कुछ महिलाओं की याद आ गयी। दिल्ली की नयी-नवेली मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा की नफरत से परेशान हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी खाली रखकर कामकाज करने का फैसला किया तो भाजपा को उदरशूल होने लगा। भाजपा के तमाम भद्र नेता मुख्यमंत्री आतिशी पर राशन-पानी लेकर चढ़ बैठे। उनका कहना है कि ये चमचत्व की पराकाष्ठा है जबकि आतिशी कहतीं हैं कि वे दिल्ली में भरत राज का अनुकरण कर रहीं हैं। कलियुग में भरत राज का अनुकरण अविश्वनीय है, क्योंकि यहां तो भरत के रूप में चम्पाई सोरेन का उदाहरण हैं जो सत्ता कि लालच में अपने ही दल को लात मार चुके हैं। आतिशी चम्पाई सोरेन नहीं हैं, आतिशी है। उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

नफरत की आग भाजपा की कलाकार संसद सुश्री कंगना रावत कि दिल में भी धधक रही है। वे भी सन्निपात की शिकार दिखाई देतीं है। वे कब, क्या बोलेंगीं ये उनका दल भाजपा भी नहीं जानता और इसीलिए कुछ दिन पहले ही कंगना कि एक बयान से भाजपा ने अपने आप को लग कर लिया था। अब वही कंगना रनौत फिर सुर्खियों में है। उन्होंने कहा है कि -'हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेती है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की गोद में डाल देती है। इस तरह वह कांग्रेस की झोली भर रही है। सोनिया गांधी ने राज्य के खजाने को 'खोखला' कर दिया है और हिमाचल की ये दुर्दशा हुई है। हिमाचल के बच्चों के भविष्य पर कुल्हाड़ी मारी जा रही है। यह देखकर उन्हें बहुत दुख होता है।उनका दुःख कब सुख में बदलेगा हम और आप नहीं जानते।

हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा भी इस समय अपनी पार्टी और भाजपा की नफरत का शिकार है। नाराज हैं। चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रही। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने का न्यौता दिया है लेकिन सैलजा ने बिभीषण बनने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि उनकी देह कांग्रेस कि झंडे में ही लिपटकर विदा होगी। ऐसा समर्पण अब कहाँ देखने को मिलता है।

नफरत की राजनीति कि शिकार देश कि अल्पसंख्यक भी हैं और वे लोग भी जो तिरुपति तिरुमला देवस्थान में लड्डुओं के लिए देशी घी के नाम पर कुछ और सप्लाई करते आये हैं। लेकिन इस नफरत से किसका नुक्सान है और किसका फायदा ये समझना बहुत कठिन है।

इसलिए मै बार-बार कहता हूँ कि श्राद्ध पक्ष में पितरों कि साथ उन लोगों कि लिए भी दान-पुण्य करना चाहिए जो नफरत की गिरफ्त में है। नफरत से मोक्ष दिलाने कि लिए कोई नया विधि-विधान आवश्यक हो तो उसका भी इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि मेरी मान्यता है कि जब तक समाज में देश में, दुनिया में नफरत है कोई सुख से नहीं रह सकता। न गरीब और न अमीर। सुख की जरूरत सभी को है, नफरत से मुहब्बत करने वाले लोग बहुत कम हैं और अब दुनिया में हर जगह उनकी शिनाख्त हो चुकी है। नफरत से मुहब्बत करने वाले अल्पसंख्या में हैं ,इसलिए उनसे डरने की नहीं सावधान रहने की जरूरत है।

देश के अल्पसंख्यकों से नफरत करने वाली इकलौती राजनितिक पार्टी भाजपा कुर्सी कि लालच में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यकों कि प्रति उदारता दिखती नजर आ रही है। भाजपा के बड़े नेता और इस दशक के सरदार पटेल हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहब ने घाटी कि मुसलमानों को ईद और मोहर्रम पर रसोई गैस कि दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा कर अपने कांग्रेसी होने का एक और प्रमाण दे दिया है। कांग्रेस पर यही भाजपा अल्पसंख्यकों के तुष्टिअकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाती आयी है, लेकिन अब खुद अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने कि लिए विवश है। लेकिन ये अच्छी खबर है श्राद्ध पक्ष में भाजपा का दिल कुछ तो बदला।

आज का पल

कैसी भी घड़ी से रहे हो गुजर,
समझ प्रसाद ईश्वर का मना शुकर,
जिंदगी के उतार-चढ़ाव चलते ही रहते,
निरंतर नदी के जल की तरह बहते,
करता बल में वृद्धि जैसे फलों का रस,
ऐसे ही मिलता कर्मों के फल का स्पर्श,
आज का लम्हा बन जाएगा बीता कल
लौटकर नहीं आएगा आज का पल।
आज के कर्म को समझ खेत का बीज,
होंगे अंकुरित कल पेट भरेंगे कई जीव,
निठल्ला बैठेगा तो पूछेगा जमाना,
मेहनत दोगुनी करके भी पड़ेगा पछताना,
अब सोने का नहीं जागने का समां,
फिर कैसे होगा काम जब बुझेगी शमा,
छोटे बड़े कर्म के हिसाब से फल,
लौटकर नहीं आएगा आज का पल।
नहीं अगर सही- गलत की पहचान,
फिर सहना होगा जीवन भर अपमान,
जन्म लेने का मकसद ही कुछ और,
संभल कर चलना अभी तो हुई भोर,
कोई और नहीं इंसान खुद का दुश्मन,
समस्याओं से गिरा अनगिनत प्रश्न,
बचाना खुद को अभी दूर है तल
लौटकर नहीं आएगा आज का पल।
चारों ओर खड़े बेहिसाब प्रलोभन,
हृदय में करते उत्पन्न आंदोलन,
दौड़ते हुए घोड़े का बन घुड़सवार,
डूब रही नैया चला पतवार,
काम ढेर सारे निपटाने हैं आज,
ऊंचाइयों को छूने को खोल दे राज,
उठ मिला कदम आगे बढ़ रहा दल,
लौटकर नहीं आएगा आज का पल।
समय आता पास से गुजर जाता,
खुशियों में डूबा कहीं ठनकता माथा,
युद्ध क्षेत्र नहीं कर्म क्षेत्र है जीवन,
सुकर्म ही आगे बढ़ने की ऑक्सीजन,
प्रसन्न रहना जैसा भी हो माहौल,
जिंदगी सीधी सादी न हो मकड़ जाल,
जिंदगी नहीं रुके आगे बढ़ता चल,
लौटकर नहीं आएगा आज का पल।

- डॉ. विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

समान पुलिस की गुंडागर्दी उजागर युवक को थाने बुलाकर पीटा वीडियो वायरल, एसपी ने किया निलंबित , क्या पुलिस के खिलाड़ होगी FIR.........

यही गलती आम नागरिक करता तो पुलिस तत्काल मुकदमा दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे डाल देती मगर पुलिस के खिलाफ पुलिस नहीं दर्ज करती मुकदमे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शहर के समान थाने के प्रधान आरक्षक के गुंडागर्दी का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ तेजी से वायरल पीड़ति को थाने बुलाकर उसे लात घुसो से पीटा और दी मां बहन की अश्लील गालियां वीडियो हुआ सोशल मीडिया पर वायरल मामला ह्यश्च के संज्ञान में आते ही प्रधान आरक्षक को किया निलंबित क्या अपराध करने वाले पुलिस कर्मी पर नहीं होगी स्नढ्ढक्र क्या सिर्फ कानून नियम बने हैं पत्रकार व आम जनता के लिए,,,, पीड़ित प्रियांश कुशवाहा निवासी कुठुलिया जिला रीवा ने एसपी कार्यालय में आकर शिकायत करते हुए बताया कि थाना समान से हमको 20 तारीख को फोन आया था की 8 बजे थाना आ जाओ आपकी खात्मा रिपोर्ट लग गई है उसमें सिंगनेचर बनाना है ।

मुंसी ने लिया कानून को हाथ मे कर दी धुनाई-मगर जब पीड़ित थाना पहुंचा तो समान थाने के प्रधान आरक्षक हेमंत शुक्ला आए और मा बहन की अश्लील गालियां देते हुए मारना शुरू कर दिया शायद सामान थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक हेमंत शुक्ला को यह नहीं पता था कि उनकी करतूत पीड़ति के जेब में डाले हुए मोबाइल में कैद हो रही है कहीं ना कहीं पुलिस कर्मियों की गुंडागर्दी अपराधियो को छोड़ आम नागरिकों पर इस कदर हावी है कि पीड़ति अब थाने जाने से भी डरते हैं अब थाने वही जाते है जिनके कहने पर पुलिस निर्दोषो के खिलाड़ फर्जी मुकदमे दर्ज करती है ।

युवक की सूझबूझ से पुलिस की खुली पोल-अगर थाने में फरियादी पहले से ही पुलिस कर्मियों की करतूत का वीडियो ना बनाएं तो इनकी करतूट थाने के अंदर ही दब जाती है बाहर नहीं आ पाती है ना जाने थाने में रोजाना ऐसे कितने फरियादियों के साथ समान थाने के पुलिसकर्मी मारपीट करते होंगे हालांकि पीड़ति की चतुराई के चलते सामान थाने के प्रधान आरक्षक हेमंत शुक्ला की गुड्डा गर्दी उजागर हुई है जहां पुलिस अधीक्षक ने तत्काल ही ऐसे लापरवाह पुलिस कर्मी को निलंबित कर दिए हैं ।

पुलिस अधिक्षक

मारपीट के दौरान गायब थे पुलिस अधिकारी-अब सबसे बड़ी बात तो है कि जब पीड़ति के साथ पुलिसकर्मी मारपीट कर रहे थे तो थाने के आला अधिकारी कहां थे अगर वह थाने में थे तो इस तरह की घटना को होते हुए उन्होंने रोका क्यों नहीं क्या उस लापरवाह पुलिसकर्मी के विरुद्ध सामान थाने में ही पीड़ति से मारपीट करने की एफआईआर दर्ज की जाएगी या फिर पुलिस कर्मी होने का बहाना देकर उस मामले को दबा दिया जाएगा अगर यही गलती कोई आम व्यक्ति या कोई फरियादी या कोई पत्रकार करता तो उसके खिलाफ तत्काल ही पुलिस बिना जांच के नेताओ की चमचागिरी के चक्कर में फर्जी मुकदमा दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे धकेल देती मगर यह तो रीवा है साहब रीवा में उल्टा काम ही चलता है ।

दबंग मुशीं

पीढ़ित

नेताओ के इशारे पर दर्ज हो रहे फर्जी मुकदमे-अगर रीवा में किसी ने भी नेताओ का या फिर भ्र्ष्टाचारियो का विरोध किया या कोई मीडिया कर्मी उनके किये गए कारनामो की खबर को प्रकाशित करता है तो फिर उसकी तो खैर नही क्यो की यह रीवा है रीवा में नेताओं के चरण वंदन करने के बाद ही मनचाही कुर्सी मिलती है और फिर अगर अधिकारी इन नेताओं के इशारे पर काम नहीं करेंगे तो इन्हें उस कुर्सी से एक झटके में ही दूध में पड़ी मक्खी की तरह उठाकर फेंक दिया जाएगा ।2022 में पत्रकारों के खिलाफ़ सिविल लाइन पुलिस ने तत्कालीन sp के कहने पर दर्ज किया था फर्जी मुकदमा

रीवा को कौन नहीं जानता है कि रीवा में किस तरह रीवा पुलिस फर्जी मुकदमे निर्दोषों के ऊपर दर्ज करती है सिर्फ नेताओं के कहने पर चाहे वह 376 का मामला हो या फिर 354 का मामला अगर पुलिस कर्मी या नेताओ की करतूत को मीडिया उजागर करती है तो उसी को टारगेट कर दिया जाता है और उसके खिलाफ षडयंत्र पूर्वक फर्जी मुकदमा दर्ज कर पुलिस अपनी पीठ नेताओ की नजर में थपथपा लेती है बिल्कुल आप एक दम सही पढ़ रहे हैं रीवा शहर के सिविल लाइन थाने में 2022 में सिविल लाइन पुलिस ने तत्कालीन ह्यश्च नवनीत भसीन के दबाब में रीवा के पत्रकारों के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज किया था पुलिस के इस तरह के कृत्य को कहीं ना कहीं पुलिस की नाकामी ही कही जाएगी क्योंकि जमीनी हकीकत पर अपराध को तो पुलिस रोक नहीं पा रही है अपराधी अपराध को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं मगर पुलिस उन पर कार्रवाई नहीं कर पाती है और निर्दोषों के खिलाफ फर्जी मुकदमें दर्ज कर उन्हें सलाखो के पीछे धकेल देती है।

Sp ने गिराई दोषी मुंसी पर गाज किया निलंबित-हालांकि पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने मारपीट करने वाले लापरवाह प्रधान आरक्षक हेमंत शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं और इस पूरे मामले की जांच की जा रही है पीड़ित द्वारा जानकारी दी गई थी दिसंबर 2023 में हमारी बाइक चोरी हो गई थी जिसमें हमारी नई बाइक थी हमारा बीमा भी है और उसका हमेंकिस्त भी अभी हम जमा कर रहे हैं कोई हमें राहत नहीं मिल रही है ब्याज भी हमारा लग रहा है तो हम उसमें समान टीआई साहब से तीन बार मिल चुके कि हमारा खात्मा रिपोर्ट लगवा दिया जाए ताकि हमारी किस्त जाना बंद हो जाए ।बीमा का हमें लाभ मिल जाए।

TI से कर चुका था निवेदन- टीआई साहब ने हर बार हमें कहा कि करवा देंगे करवा देंगे जून से यह प्रक्रिया चल रही है जून से लेकर के अभी सितम्बर बीतने बाला है। तीन बार दिलासा दिया जा चुका है कि तुम्हारा खात्मा रिपोर्ट लग जाएगा लेकिन जैसे इन्होंने हमें डेट दिया था कि 19- 20 तारीख तक तुम्हारा हो जाएगा हमने इनको फोन लगाया फोन यह हमारा नहीं उठाते हैं और फोन एक बार उठाया और काफी बुरी बुरी गालियां दी हमको फोन में तो जिसके उपरांत हमने भीक्रोधित होकर के इनको बोला जी जी भैया जी भैया हम आ जाएंगे थाना थाना बुला रहे थे कि आ जाओ तो थाना झूठ बोल कर के बुलाया गया कि तुम्हारी खात्मा रिपोर्ट लग गई है और हमें वहां मारा गया और 12 बजे रात तक हमें बैठाया गया[

मऊगंज - में अवैध शराब कारोबारियों का तांडव , अवैध शराब पकड़ने गई पुलिस टीम पर हुआ जानलेवा हमला..

पुलिस बल की कमी की वजह से अपराधियों के हौसले है बुलंद, दे रहे बड़ी वारदात को अंजाम..

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मऊगंज। जिले में अवैध शराब कारोबारियों के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद होते जा रहे हैं, उनके मन में कानून य पुलिस का कोई खौफ नहीं है, ऐसा लग रहा है कि अपराधियों के सामने पुलिस कि एक भी नहीं चल रही है, अपराधी खुलेआम वारदात को अंजाम दे रहे हैं, हालत यह हो गए है कि अब अपराधी पुलिसकर्मियों पर भी हमला करने से नहीं चूके रहे हैं,बीती रात वरांव में ही आपराधिक तत्वों ने शाहपुर पुलिसकर्मी पर हमलाकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर उनके मोबाइल भी छुड़ा लिए, वहीं घायल पुलिसकर्मी को मऊगंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लगातार बड़ती इन घटनाओं से आम जनता में भी अपराधियों की

दहशत बड़ती जा रही है,वहीं पुलिस बल की कमी की वजह से खुलेआम चल रहे अवैध कारोबार पर नियंत्रण नहीं लग पा रहा है, दरअसल आपको बता दें कि जिले की शाहपुर पुलिस पर देर रात बरांव के केवट बस्ती में उस वक्त जानलेवा हमला हुआ जब पुलिस टीम महुआ लाहन से बनाई जा रही अवैध शराब पकड़ने गई थी, बताया गया है कि अवैध कारोबारियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, जिस घटना में कई पुलिस कर्मी घायल हुए हैं,आरोपियों ने पुलिस के मोबाइल भी निकाल लिए, घायल पुलिस कर्मियों को मऊगंज अस्पताल में दाखिल कराया गया है, वहीं घटना की जानकारी मिलने पर विधायक प्रदीप पटेल भी अस्पताल पहुंचे,बता दें कि इस समय शाहपुर पुलिस के ग्रह ठीक नहीं चल रहे है, समय रहते यदि पुलिस अवैध शराब, गांजा और नशीली कोरेक्स सिरप के तस्करों पर करवाई नही करती तो शायद आने वाले समय में हालात इससे भी बदतर हो जाएंगे।

सीरवी समाज ट्रस्ट वरतूर वडेर की नई कार्यकारिणी गठित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू- सीरवी समाज ट्रस्ट वरतूर की आम सभा का आयोजन बुधवार को

समाज भवन में किया गया। सभा का शुभारंभ आईमाताजी के समक्ष दीप प्रज्वलित के साथ आरती की गई। सभापति गोपाराम गेहलोत की अध्यक्षता में तीन वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे अध्यक्ष पद पर भुण्डाराम राठौड़, उपाध्यक्ष जीयाराम पंवार, सचिव ज्ञानाराम सातपुरा, सह-सचिव मांगीलाल बर्फा, कोषाध्यक्ष भगाराम काग, सह-कोषाध्यक्ष सोहनलाल बर्फा को चुना गया। उसके बाद सलाहकार पद पर चोलाराम भायल, गोपाराम काग, सुजाराम काग, कैलाश बर्फा को चुना गया। उसके बाद कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। सदस्य दलाराम सोलंकी, जोगाराम चोयल, लच्छाराम सैणचा, पुखाराम सैणचा,मोतीलाल पंवार, चन्दाराम हाम्बड, नारायणलाल चोयल,अशोक परिहारिया, सोनाराम गेहलोत, ओमप्रकाश भायल, मोहनलाल मुलेवा को चुना गया। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

आज नगर परिषद मौ जिला भिण्ड द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत हुआ कार्यक्रम

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

स्वछता ही सेवा - 2024 (17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024) गतिविधि 17- 30 सितंबर आयोजित की गई जिसमें शालाओं एवं विद्यालयों में छात्रों के साथ स्वछता संवाद का आयोजन किया गया, नगर के प्रकाश पब्लिक स्कूल वार्ड क्रमांक 13, ग्लोबल इंटर कॉलेज मौ, सन्मति पब्लिक स्कूल मौ एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मौ में स्वछता संवाद कर स्वछता की शपथ दिलाई एवं स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। व विद्यार्थियों द्वारा नगर को स्वच्छ बनाने हेतु नारे लगाए गए, उक्त गतिविधि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नेतृत्व में अध्यापकों के सहयोग के साथ पूर्ण की गई उक्त गतिविधि में सीएमओ महेश पुरोहित, धीरज श्रीवास्तव, रामनिवास यादव, गजेंद्र यादव, आमिर खान स्वछता प्रभारी, पवन कुमार सहायक सफाई दरोगा, पंकज यादव एवं समस्त स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज नगर पालिका परिषद गोहद ने किया स्वच्छता श्रमदान

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2024 तक देश में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे अंतर्गत आज नगर पालिका परिषद गोहद ने बुधवार को जन सहयोग से स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया। जिसमें वार्ड क्रमांक दो में गोलम्बर तिराहे पर स्थित सर्वोदय स्कूल में व्यापक स्तर पर सफाई कराई गई हैं। सफाई अभियान में वार्ड पार्षद विधायक प्रतिनिधि निकाय कर्मचारी एवं आमजन ने अभियान में शामिल होकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया है। कार्यक्रम में बच्चो को सूखा एवं गीला कचरे के बारे में विस्तार से बताया गया सी एम् ओ के द्वारा नगर पालिका गोहद को स्वच्छता में 01 बनाने की आम नागरिको से अपील की 7 कार्यक्रम में उपस्थित समस्त लोगो ने स्वच्छता की शपथ ली गयी 7 इस अवसर पर श्रमदान कार्यक्रम में जगदीश माहोर, उपाध्यक्ष सुनील कांकर, वार्ड पार्षद साबू खान मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रीतम मांझी आकाश त्यागी, आशीष शर्मा, विशाल शर्मा, हरिओम दरोगा, अशोक खरे , मनोज आईसी टीम से लकी साहू अरमान कुलदीप, अंजली एवं आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे हैं।

महा सदस्यता अभियान के साथ मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

मौं। भारतीय जनता पार्टी मंडल मौं द्वारा आज पार्टी के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती सभी 67 बूथ केदो पर सदस्यता अभियान के साथ मनाई गई पार्टी के कार्यकर्ता सुबह से ही प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में अपने-अपने बूथ केंद्र की ओर रवाना हो गए और वहां पर उन्होंने महा सदस्यता अभियान चलाया पार्टी के मंण्डल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह ने प्रवासी कार्यकर्ता मेहबूब खान के साथ बार्ड 11 मौ पर महा सदस्यता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया पार्टी के सदस्यता प्रभारी रघुबीर पवैया ने गुहिसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई इस अवसर पर पार्टी के जिला मंत्री फरेंन्द सिंह सिकरवार सुरेश छारि राम अख्तयार गुर्जर सज्जन सिंह यादव रामू कुशबाह पंकज कुशबाह बकील यादव सुल्तान मौर्य राजू मिश्रा बन्टी शर्मा बबलू राणा कप्तान कुशबाह महेंन्द परिहार रिकू जादोंन रामकुमार जादोंन रामकेश गुर्जर धर्मेन्द राणा सोमबीर सिबहरे संतोष यादव बिजेंन्द सिंह चौंहान मुरारी यादव आदि उपस्थिति में पार्टी का महा सदस्यता अभियान चलाया एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती बनाई और उनके जीवन पर प्रकाश डाला आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इसी तरह अपने-अपने बूथ केंद्र पर जाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई एवं महा सदस्यता अभियान चलाया। और खासकर युवाओं को महिलाओं को पार्टी की नीति से अवगत कराया उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

ऐश्वर्या राय

का रोल करना चाहती थी ये बड़ी एक्ट्रेस, डायरेक्टर ने कर दिया था मना

ऐश्वर्या राय बच्चन हाल ही में साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड 2024 में शामिल हुईं. इस फंक्शन के दौरान उन्हें 'पोन्नियन सेल्वन 2% के लिए बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) कैटगरी में अवॉर्ड मिला. अवॉर्ड फंक्शन के दौरान ऐश्वर्या के साथ उनकी बेटी आराध्या भी मौजूद थीं. 'पोन्नियन सेल्वन' में उन्हें 'नंदिनी' के तौर पर खूब पसंद किया गया था. हालांकि, फिल्म से जुड़ी कई और एक्ट्रेस भी ऐश्वर्या वाला रोल करना चाहती थीं, जिनमें से एक साउथ की बड़ी एक्ट्रेस त्रिशा भी थीं. उन्होंने 'पोन्नियन सेल्वन' में 'कुंदवई' का रोल निभाया है, जिसके लिए उन्हें भी काफी सराहना मिली. कुछ वक्त पहले एक इंटरव्यू में त्रिशा ने बताया था कि उन्होंने इस रोल के लिए फिल्म के डायरेक्टर से बात की थी, लेकिन उन्होंने त्रिशा को मना कर दिया था.साल 2022 में रिलीज हुई 'पोन्नियन सेल्वन' तमिल भाषा की एपिक एक्शन ड्रामा है. इस फिल्म में ऐश्वर्या के साथ ही त्रिशा, शोभिता धूलिपाला, ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसी और भी कई बेहतरीन एक्ट्रेस शामिल हैं. फिल्म में 'नंदिनी' के कैरेक्टर को सबसे ज्यादा पावरफुल बनाया गया है, जिसे ऐश्वर्या राय बच्चन ने निभाया है. लेकिन त्रिशा भी इस रोल को निभाना चाहती थीं. उन्होंने इस बात का खुलासा करते हुए बताया था कि उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर मणिरत्नम से पूछा था कि क्या वो 'कुदंवई' की जगह 'नंदिनी' का किरदार निभा सकती हैं. लेकिन डायरेक्टर ने इस बारे में नहीं सोचा था.

त्रिशा करना चाहती थीं 'नंदिनी' का रोल

हुए इंटरव्यू में त्रिशा ने बताया कि वो मणिरत्नम से मिलने के लिए उनके ऑफिस में गई, जहां उन्होंने रोल के लिए उनसे सवाल किया. उनके सवाल पर जवाब देते हुए डायरेक्टर ने उन्हें मना कर दिया. मणिरत्नम ने त्रिशा को बताया कि उन्होंने सबसे पहले 'नंदिनी' के रोल के लिए कास्टिंग की थी और उन्हें लगा कि यह रोल ऐश्वर्या से अच्छा और कोई नहीं निभा सकता. जब त्रिशा को पता चला कि इस रोल के लिए ऐश्वर्या राय को कास्ट किया गया है तो वो बहुत खुश हुई थीं.

कैंसर से जूझ रहीं हिना खान, ऑनस्क्रीन बेटी अश्नूर कौर बोलीं- उनसे बात हुई, वो जल्द ठीक हो जाएंगी

टेलिविजन और फिल्म एक्ट्रेस हिना खान स्तन कैंसर से जंग लड़ रही हैं. हिना इलाज के साथ-साथ काम भी करती नज़र आ रही हैं. अब हिना खान की ऑनस्क्रीन बेटी अश्नूर कौर ने उनके इस जज्बे की तारीफ की है. टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में हिना की बेटी का रोल निभाने वाली अश्नूर ने बताया कि उन्होंने हिना से बात की है. अश्नूर ने कहा कि मुझे भरोसा है कि वो जल्द ठीक हो जाएंगी.अश्नूर कौर ने हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस से बात की. उन्होंने इस दौरान कहा, मैंने हिना से बात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं. वो बेहद मजबूत महिला हैं और जो भी चीज़ें उनके रास्ते में आ रही हैं, वो उससे जिस तरह से लड़ाई लड़ रही हैं, उससे मुझे पक्का यकीन है कि वो इन सबसे जल्द बाहर आ जाएंगी. वो अपने इलाज के साथ-साथ काम भी कर रही हैं, जो की शानदार है. मुझे यकीन है कि आगे भी वो सभी पर अपने जादू बिखेरती रहेंगी.टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अश्नूर कौर ने छोटी नायरा का किरदार निभाया था. वो साल 2015-16 के दरमियान शो का हिस्सा रही थीं. बाद में नायरा का रोल शिवांगी जोशी निभाने लगी थीं. इस सीरियल से अश्नूर कौर को खूब फेम भी मिला था. उनका हिना के साथ बॉन्ड काफी पसंद भी किया गया. अश्नूर को साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, महाभारत, देवों के दोवज्महादेव, सियासत और पृथ्वी वल्लभ जैसे टीवो शो में भी अहम किरदार निभाते देखा गया.

अश्नूर कौर का डेब्यू

20 साल की अश्नूर कौर ने टीवी की दुनिया में साल 2009 में 'झांसी की रानी' से डेब्यू किया था. इसमें उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी. टीवी की दुनिया में काम करने के अलावा अश्नूर कौर ने फिल्मों में भी काम किया. वो रणबीर कपूर स्टारर संजू और विकी कौशल, अभिषेक बच्चन और तापसी पन्नू स्टारर फिल्म मनमर्जियां में भी नज़र आई थीं.

जब हिना ने किया कैंसर का खुलासा

हिना खान ने इसी साल जून में बताया कि उन्हें स्टेज 3 का स्तन कैंसर हो गया है. उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था, हाल ही में चल रही अफवाहों पर मैं जवाब देना चाहती हूं और हिनोहोलिक्स और सभी लोगों के साथ जो मुझसे प्यार करते हैं कुछ जरूरी खबर शेयर करना चाहती हूं. मुझे स्टेज 3 का स्तन कैंसर हो गया है. उन्होंने पोस्ट में कहा कि मैं मजबूत हूं और इस बीमारी से ज़रूर जीतूंगी.

मैं अपने बाप की भी नहीं सुनती...वजन पर हुआ सवाल तो बहन के पॉडकास्ट में भड़क गईं आम्रपाली दुबे

भोजपुरी स्टार आम्रपाली दुबे पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं. आम्रपाली हाल ही में अपनी बहन आकांक्षा दुबे के पॉडकास्ट में पहुंचीं थीं, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी के कई राज़ से पर्दा उठाया. इस दौरान उनकी बहन ने उनसे मोटापे और वजन को लेकर भी सवाल किया. इस पर आम्रपाली ने दो टूक कहा कि मैं अगर वजन कम करूंगी तो अपनी मर्जी से करूंगी, किसी के कहने से नहीं करूंगीं. उन्होंने कहा कि मैं अपने बाप कि नहीं सुनती किसी और की क्या सुनुंगीं.आकांक्षा दुबे ने कहा कि मेरा वजन एक वक्त पर 100 किलो के करीब था. इस दौरान लोग मेरी बॉडी शेमिंग (मोटापे का मजाक) किया करते थे. क्या आपको भी वजन की वजह से कभी इसका सामना करना पड़ा है? इस पर आम्रपाली ने कहा, देखिए, मैं अपने शरीर से बहुत प्यार करती हूं. ये मुझे दिक्कत नहीं देता है. मुझे डायबिटीज नहीं है, मुझे थायराइड की समस्या नहीं है. मैं अपना वजन इसलिए कम करना चाहती हूं ताकि ये तकलीफें मुझे जीवन में कभी न हों.

'मुझे फर्क नहीं पड़ता'

आम्रपाली आगे कहती हैं, अगर किसी को लगता है कि उसके पैरामीटर में मैं एक एक्ट्रेस के तौर पर फिट नहीं बैठती हूं तो मुझे फर्क नहीं पड़ता है. जो फिट बैठ रही है उनको कास्ट कर लीजिए. बहुत लोग हैं, जो इंडस्ट्री में काम करने के लिए मरे जा रहे हैं. दिल खोल कर उनका वेलकम करती हूं. उन लोगों से काम कराइए. आपके ब्यूटी स्टैंडर्ड में फिट होने वाली लड़कियां हैं, वैसी बहुत सी लड़कियां अपने घर से निकल कर संघर्ष कर रही हूं. प्लीज़ उन्हें कास्ट कीजिए. मैं सच में उन्हें काम करते देखना चाहती हूं.

'मैं ऐसी ही हूं'

आम्रपाली ने कहा, मैं ऐसी ही हूं. मुझे जितना काम आता है वो दुनिया ने देखा है. वही काम करती हूं. उसपर फोकस करती हूं. मैं अपनी बॉडी को चेंज करने की कोशिश भी करूंगी तो इसलिए क्योंकि मैं करना चाहती हूं. कोई प्रेशर डाले कि आपको इस बिजनेस में रहना है तो आपको ऐसा ही दिखना पड़ेगा, वैसे तो मैं अपने बाप की भी नहीं सुनती हूं तो बाकी फिर किसी और की क्या सुनुंगी. इस पर आकांक्षा ने जब मजाक में कहा कि पापा देखने वाले हैं शो तो आम्रपाली ने हंसते हुए कहा, पापा की सुनती हूं. लेकिन मैं अपने बारे में एक चीज भी नहीं बदलना चाहती हूं.

आम्रपाली ने कहा कि मैंने अपनी बॉडी शेमिंग से डील किया है. मैंने वो सब सुना है. मैं उनके कमेंट्स पढ़ती हूं. उन्होंने बताया कि वैसे कमेंट करने वालों को वो ब्लॉक कर देती हैं और कमेंट भी डिलीट कर देती हैं. उन्होंने इस दौरान बताया कि उनके कई फैन पेज हैं, जो उनकी तरफ से कमेंट करने वालों को करारा जवाब देते रहते हैं.

फहद अहमद

से शादी करने पर स्वरा भास्कर को सता रहा था इस बात का डर

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने अपनी शादी पर खुलकर बात की है. दरअसल, साल 2023 में उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता फहद अहमद से शादी की थी. शादी के बाद वो काफी ज्यादा सुर्खियों में रही थीं. अब उन्होंने बताया है कि शादी करने से पहले उनके मन में बॉलीवुड को लेकर एक डर बैठा हुआ था. चलिए जानते हैं कि आखिर उन्होंने क्या कुछ कहा है.बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव और आरजे अनमोल के यूट्यूब चैनल कपल ऑफ थिंग्स पर बातचीत करते हुए स्वरा ने बताया कि फहद से उनकी मुलाकात साल 2019 में सीएए-एनआरसी प्रोटेस्ट के दौरान हुई थी. उसके बाद दोनों पहले दोस्त बने और फिर प्यार हो गया. स्वरा ने कहा, कुछ महीने की बातचीत के बाद मैंने फहद से पूछा कि अब क्या. उसके बाद मैंने सोचा कि अगर 2-3 साल उनके सेटल होने का इंतजार करती हूं तो हम शादी कर सकते हैं.

स्वरा के मन में क्या डर था?

स्वरा ने कहा, मैं हमेशा सोचती थी कि इस बात पर मेरे पैरेंट्स किस तरह रिएक्ट करेंगे. मेरा भाई क्या कहेगा. मेरे दोस्त किस तरह का रिएक्शन देंगे. और सबसे ज्यादा शॉकिंग चीज ये थी कि अगर मैं इनसे शादी करूंगी तो मुझे बॉलीवुड पार्टियों में नहीं बुलाया जाएगा. ये सारी चीजें मेरे दिमाग में चल रही थीं, लेकिन मुझे ये समझ नहीं आ रहा था कि ये सब बातें दिमाग में क्यों आ रही हैं. ये मेरे लिए शॉकिंग इसलिए था, क्योंकि मैं अपनों शब्दों में फिल्टर नहीं करती, मैं लोगों के रिएक्शन के बारे में नहीं सोचती, मैं फ्रैंक हूं.स्वरा ने ये भी बताया कि उन्होंने अपने नाना-नानी के घर पर शादी का जश्न मनाया था. म्यूजिक बज रहा था, खाना चल रहा था, दावत-ए-वलीमा हुआ था. 10 दिन का ये जश्न किसी सांस्कृतिक महोत्सव की तरह लग रहा था.

स्वरा भास्कर ने ये बातें भी बताई

स्वरा भास्कर ने इस दौरान ये भी कहा, मैं अमेरिका में थीं. मेरे एक अंकल हैं, जो अंग्रेज हैं. वो धार्मिक फर्क तो जानते थे, लेकिन क्लास डिफ्रेंस के बारे में पता नहीं था. मैं फहद के साथ फोन पर बात कर रही थी. तो उन्होंने मुझसे पूछा कि वो आदमी कौन है. मैंने उन्हें बताया कि एक दोस्त है. वो समझ गए कि मैं उनके सामने अपनी फीलिंग्स का इजहार नहीं कर रही हूं. उन्होंने मुझे बैठाया और उन्होंने मुझे एक बहुत अच्छी बात कही. उन्होंने मुझसे पूछा 'अगर तुम्हें एक ऐसा आदमी मिले, जिसमें वो सारी क्वालिटी हो जो तुम फहद में फसंद करती हो, वो आदमी तुम्हारी सारी कंडिशन मानें तो तुम क्या तुम उसके बारे में सोचेगी.' मैंने उनसे अनजाने में कह दिया, नहीं, लेकिन वो फहद नहीं होगा. और इस चीज ने मुझे हिट किया. स्वरा ने बताया कि उसके बाद उनका सारा डर गायब हो गया.स्वरा ने फहद के साथ पिछले साल फरवरी के महीने में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की थी. उसके एक महीने बाद वेडिंग सेरेमनी रखी गई थी, जिसमें हल्दी, संगीत, जैसी सारी रस्में हुई थीं. उसी साल जून में उन्होंने ये ऐलान किया था कि वो मां बनने वाली हैं. वहीं फिर सितंबर में उन्होंने बेटी को जन्म दिया था.

स्वभाव एवं संस्कार स्वच्छता की थीम पर प्रश्न मंच का आयोजन

मुरैना । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की सहयोगी नवांकुर मदर संस्था सक्षम फाउंडेशन अंबाह द्वारा मंगलवार को शासकीय सीएम राइज विद्यालय अंबाह परिसर में स्वच्छता पखवा? के अंतर्गत प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विषय मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जी के जन्मदिन तक स्वच्छता पखवा? अभियान से प्रेरित था। जिसकी थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता रखी गई। जिसके निर्णायक मंडल में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री सतीश सिंह तोमर, नेहरू युवा केंद्र के उप निदेशक श्री राकेश सिंह तोमर, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्री विजय शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी श्री अलोक प्रधान रहे। प्रश्न मंच में प्रथम टीम महाराणा प्रताप, जिसके कप्तान धर्मेंद्र सिंह तोमर, द्वितीय टीम स्वामी विवेकानंद जिसके कप्तान पवन शर्मा, तृतीय टीम अमर शहीद भगत सिंह, जिसकी कप्तान संध्या तोमर और चौथी टीम की रानी लक्ष्मी बाई, जिसकी कप्तान श्रीमती मानवता को बनाया गया। प्रश्न मंच का संचालन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री रामकेश सिंह सिकरवार द्वारा किया। जिसमें स्वच्छता साफ-सफाई, पर्यावरण, भारतीय इतिहास, खेल, सूचना प्रौद्योगिकी और संस्कृति से प्रश्न पूछे गए। जिसमें द्वितीय टीम स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसको आगे के कार्यक्रमों में उचित पुरुस्कार द्वारा सम्मानित किया जाएगा। जिला समन्वयक श्री सतीश सिंह तोमर ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों एमएसडब्ल्यू, बीएसडब्ल्यू छात्र-छात्राओं, परामर्शदाता, नवांकुर संस्था के सदस्य को स्वच्छता और साफ-सफाई की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि में समाज सेवी संस्था सक्षम फाउंडेशन अंबाह द्वारा सेक्टर नंबर दो नयापुरा की खिरेंटा, डंडोली, जौहा, ब?फरा, ककरारी, गूंज, मलबसई, अरोली, भंडोली, विचौला, रिठोना आदि ग्राम पंचायतों में स्वच्छता और साफ-सफाई के अंतर्गत नुक? सभा, चौपाल, परिचर्चा, प्रश्न मंच आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।जिससे लोगों में सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर स्वस्थ्य और दिर्गायु निरोग जीवन जी सके और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

कलेक्टर ने मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया

मुरैना । कृषि विभाग के नेतृत्व में मुरैना जिला मुख्यालय पर मृदा परीक्षण प्रयोगशाला संचालित की जा रही है।मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में कृषकों द्वारा खेत से लाई गई मृदा का परीक्षण होता है उसके बाद रिपोर्ट कृषकों को उपलब्ध कराई जाती है। जिसका कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने बुधवार को पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं मृदा परीक्षण करने वाले सभी यंत्रों को देखा और सितम्बर माह में कितने किसानों के खेत का मृदा परीक्षण हुआ है उसके प्रविष्टि रजिस्टर का अवलोकन किया। निरीक्षण के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गड़पाले, उप संचालक कृषि श्री पीसी पटेल, आत्मा के सहायक संचालक श्री अनंत सड़िया सहित मृदा परीक्षण करने वाले कृषि वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

अम्बाह जनपद में सांसद व जनपद अध्यक्ष की उपस्थिति में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े तहत संगोष्ठी आयोजित

मुरैना। जनपद पंचायत अम्बाह के सभागार में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन एवं आजीविका मिशन के तहत स्वच्छता संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि मुरैना-श्योपुर क्षेत्र के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर व जनपद अध्यक्ष अम्बाह कुमारी मधुरिमा तोमर उपस्थिति रही। अतिथियों ने व्यक्तिगत शौचालय निर्माण से लेकर उसकी उपयोगिता तक की चर्चा की गई। साथ ही अपने-अपने घरों की साफ-सफाई करने के बारे में जानकारी दी। सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर द्वारा ग्रामों में जगह-जगह बिखरे पड़े कचरे को किसी एक चयनित जगह पर डालकर उसका सही से निपटान कैसे किया जाए तथा गाँव से बाहर रो? किनारे जो गोबर के घूरे डाले जाते है, उसको वहाँ नहीं डालकर उनको सुव्यवस्थित तरीके से नाडेप में डालकर खाद बनाने पर जोर दिया है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष जनपद पंचायत अम्बाह श्री शिशुपाल सिंह सखवार, जिला प्रबंधक आजीविका मिशन मुरैना श्री दिनेश सिंह तोमर एवँ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अम्बाह श्री महावीर जाटव सहित लगभग 250 समूह की दीदीयां उपस्थित थीं।

कलेक्टर ने नूरावाद उद्यानिकी एवं ट्रेनिंग सेन्टर का निरीक्षण किया

टमाटर, मिर्ची, बैगन, फूलगोभी और पत्तागोभी की पौध ऑफ सीजन में मिल सकेगी

मुरैना। मुरैना जिले के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के सहयोग से नूरावाद में पौध उत्पादन एवं कृषक ट्रेनिंग सेन्टर का कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अधिकारियों ने आ रही कठिनाईयों से भी कलेक्टर को अवगत कराया। भ्रमण के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गड़पाले, उप संचालक कृषि श्री पीसी पटेल, टेक्निकल श्री वीरेन्द्र यादव सहित अन्य प्रोजेक्ट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। विदित है कि इंडो इजराइल के मार्गदर्शन में नूरावाद में पौध उत्पादन एवं किसानों के लिये ट्रेनिंग सेन्टर तैयार किया जा रहा है। ट्रेनिंग सेन्टर में समय-समय पर इस क्षेत्र के कृषकों को ट्रेनिंग दी जायेगी और पॉलीहाउस में टमाटर, मिर्ची, बैगन, फूलगोभी और पत्तागोभी की पौध तैयार की जा रही है। आवश्यकता प?ने पर कृषकों को ऑफ सीजन में उपलब्ध कराई जायेगी। पौध तैयार करने में कृषि वैज्ञानिकों ने आ रही कठिनाईयों के बारे में भी कलेक्टर को अवगत कराया।

(सफलता की कहानी)

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से सुमित बंसल बने आत्मनिर्भर : 10-12 लोगों को दे रहे रोजगार

मुरैना। प्रधानमंत्री के लोकल फॉर वोकल अभियान को बड़ावा देने के लिए उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना शुरू की गई। जिससे खाद्य प्रसंस्करण में सूक्ष्म उद्योगों का विकास हो सके। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना को

ब?ावा दिया गया, जिसके अंतर्गत कई हितग्राहियों को कुशल प्रशिक्षण एवं बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इन्हीं में से एक लाभार्थी मुरैना जिले के श्री सुमित बंसल है, जो कि नेहरू पार्क के पास मुरैना में निवास करते हैं।

श्री सुमित बंसल बताते है कि पिछले साल योजना के तहत उनको 18 लाख रूपये का ऋण प्राप्त हुआ था। इंडियन ऑवरसीज बैंक द्वारा उनको यह लोन प्राप्त हुआ। वह बताते हैं कि लोन प्राप्त करने में उनको बैंकों के चक्कर नहीं लगाने प?े। पूरे दस्तावेज होने पर आसान तरीके से उनको लोन प्राप्त हो गया। वह बताते हैं कि इस लोन की मदद से उन्होंने अपना नमकीन का नया ब्रांड चालू किया, जिसमें वह बच्चों के खाने के आइटम व स्नेक्स 5 रूपये एमआरपी पर बनाते हैं। इसमें उन्होंने काफी तरह के आइटम जैसे पॉपकॉर्न, पास्ता, चाउमीन भी शामिल कर लिए हैं, जो कि बच्चों को आकर्षित करते हैं। अब वह अपनी फैक्ट्री के अंदर मुनाफा कमा रहे हैं एवं 10 से 12 लोगों को रोजगार भी प्रदान कर रहे हैं। श्री सुमित बंसल इस आत्मनिर्भर बनाने वाली योजना के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हैं।

दिमनी के पंचायत भवन एवं स्कूल परिसरों की हुई साफ सफाई

मुरैना । भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय नेहरू युवा केन्द्र मुरैना द्वारा दिमनी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसके तहत पंचायत भवन एवं शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक शाला परिसरों की साफ सफाई की गई। इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक श्री राकेश सिंह तोमर ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि गंदगी अनेक बीमारियों की जड़ है। बीमारियों से बचने के लिए हमारे आस-पास स्वच्छता होना आवश्यक है। इसके लिए हम सबको मिलकर सामूहिक पहल करनी चाहिए। कार्यक्रम में युवा मण्डल,महिला मण्डल स्वयं सेवकों के साथ झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री राकेश सिंह तोमर, शिक्षाविद श्री राम हरी सिंह तोमर, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्री विजय शर्मा, दिमनी पंचायत सचिव श्री राम बरन सिंह तोमर, युवा मण्डल अध्यक्ष श्री पवन तोमर, पंचायत सचिव संघ अध्यक्ष श्री महेश सिंह तोमर, सचिव श्री पप्पू सिंह तोमर पूर्व एनवाईवी श्री अजय तोमर आदि ने भी श्रमदान किया।

स्वच्छता अभियान के तहत जिला पंचायत कार्यालय में चलाया सफाई अभियान

मुरैना । 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक प्रदेश के साथ-साथ मुरैना जिले में भी स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. इच्छित ग?पाले के मार्गदर्शन में 25 सितंबर को जिला पंचायत परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। साफ-सफाई अभियान में अतिरिक्त जिला सीईओ श्री आरके गोस्वामी, परियोजना अधिकारी श्री तिलक सिंह कुशवाह, श्री कमल यादव सहित जिला पंचायत कार्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा जिले की समस्त नगरीय निकायों,समस्त जनपदों में एवं जिले की सभी पंचायतों में स्वच्छता ही सेवा सप्ताह के तहत प्रतिदिन कार्यक्रम कराए जा रहे हैं।

सबलगढ़ जनपद की ग्राम पंचायत मांगरौल में विधायक की उपस्थिति में चलाया स्वच्छता अभियान बुधवार को सबलगढ़ जनपद की ग्राम पंचायत मांगरोल में विधायक श्रीमती सरला रावत की उपस्थिति में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांगरोल में रैली निकालकर किया गया। ग्रामीण समुदायों के बीच स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को प्रेरित किया गया तथा स्कूल के बच्चों के साथ स्वच्छता की सेवा, संस्कार सेवा, स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत बच्चों को शाला के स्टाफ के साथ में स्वच्छता ही सेवा से संबंधित जानकारियां प्रदाय की गई।

कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने ग्राम चुरहेला में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से किया वार्तालाप

मुरैना। पिछले दिनों लगातार हुई वर्षा से फसल की स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना मुरैना विकासखंड के ग्राम चुरहेला पहुंचे। चुरहेला में कलेक्टर पंचायत भवन पर बैठकर ग्रामीणों से रूबरू हुए एवं पिछले दिनों लगातार वर्षा से फसल में नु?सान को लेकर किसानों से विस्तार से इसकी चर्चा की। कलेक्टर ने प्रमुख रूप से खाद, बीज एवं ग्रामीण क्षेत्र में मैदानी कर्मचारियों के व्यवहार के बारे में भी पूछताछ की। चौपाल में ग्रामीणों ने एकराय होकर कलेक्टर को अवगत कराया कि बारिश के हुए नुकसान के बारे में राजस्व पटवारियों ने क्षति का आंकलन कर लिया है। रबी फसल को ध्यान में रखते हुए जिस किसान को जितनी खाद, बीज की आवश्यकता है वह उनको प्राप्त हो रही है। अभी खाद, बीज की कोई समस्या नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि मैदानी कर्मचारी समय पर सभी गाँवों में आते हैं। कभी किसी कृषक को कोई मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है तो अवश्य देते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों से किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है। भ्रमण के समय मुख्य कार्यपालिक अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित ग?पाले, बानमौर तहसीलदार डॉ. महेश सिंह कुशवाह सहित राजस्व अधिकारी एवं ब?ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

थायराइड

भी हो सकता है थकान का कारण

क्या आपके साथ भी ऐसे होता है कि आप सारा दिन काम करते करते इतना थक जाती है कि आप अपना मनपंसद टी.वी शो भी अच्छी तरह से नहीं देख पाती और घर में हमेशा थका-थका महसूस करती है। घर पर सीढियां चढ़ने के वक्त,कोई भी काम करने के वक्त या बैड से उठने के वक्त भी ऐसा महसूस होना कि जितनी नींद हमने ली है वो अभी भी पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ ऊर्जा का निर्माण स्वास्थ्यवर्द्धक पाचन प्रणाली से शुरू होता है।विटामिन बी की कमी से भी थकान महसूस होती है। हल्की थकान तथा गंभीर थकान में से आप खुद को किसका शिकार महसूस करती हैं और वास्तव में आपके साथ गलत क्या हो रहा है ?

- थकावट महसूस होने के कई कारण हो सकते है। जब भी शरीर में थकावट महसूस हो तो थोड़ा इधर-उधर टहल कर आप अपनी थकावट को दूर कर सकती है।जब आप थकी होती हैं तो आपका मैटाबोलिक रेट कम हो जाता है और आप कम कैलोरीज बर्न करती हैं। इसी कारण आपको थकावट महसूस होती है। कसरत करने से भी आप सारा दिन बेहतर महसूस करेंगी और काम करने के बाद भी थकावट कम महसूस होगी।
- हमारे शरीर में थकान महसूस होने के कई कारण हो सकते है। कई बार विटामिन्स की कमी होने पर भी हम कोई भी काम करने के बाद थकावट महसूस करते है। आयरन की कमी होने पर भी थकान महसूस होती है। यदि आपको अपनी त्वचा पीली दिखाई दे, अपनी धड़कन तेज महसूस हो और चिड़चिड़ापन महसूस हो तो आयरन से भरपूर डाइट आपको इस समस्या से निजात पाने में सहायक हो सकती है।
- अपने वातावरण को ताजा बनाए रखें और बोर होने से बचें जब भी आप बोर हो रही हो तो संगीत का लुत्फ उठा सकती है और बोरियत आपके मूड को प्रभावित करती है।
- आपकी थकावट का कारण थायराइड भी हो सकता है। सुबह के समय थकान थायराइड की कमजोर कार्यप्रणाली का चिन्ह हो सकती है। इसलिए थायराइड की जांच अवश्य करवाएं।
- भरपूर नींद न लेने की वजह से भी आप सारा दिन थकान महसूस कर सकती है।शरीर के लिए भरपूर नींद लेना भी बहुत जरूरी होता है। इसलिए रात के समय कम से कम 8 घंटे नींद लेना जरूरी है और दिन के समय बीच में कम से कम 20-30 मिनट की नींद जरूर लें ।
- दिन में भारी भोजन करने की बजाय अपने भोजन में साबुत अनाज, ओट्स, अंकुरित खाद्य तथा बहुत सारी सब्जियां तथा फल शामिल करें।

ताकि दर्द में न बीतें सर्दियां

सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें

सर्दियों को वैसे तो खाने पीने और घूमने फिरने का मौसम माना जाता है, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम्स भी इस मौसम में परेशान करती हैं। अब जब सर्दियों ने दस्तक दे ही दी है, तो क्यों न इस मौसम की दिक्कतों से बचने के लिए हम पहले से ही करते चलें बचाव के इंतजाम। यहां पर कुछ हेल्थ टिप्स दिये हुए हैं, जिन्हें आप सर्दियों में फिट रहने के लिये इस्तेमाल कर सकती हैं -

सर्दी, जुकाम, खांसी

इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है सर्दी, जुकाम और खांसी। अगर आपको हर दिन सुबह उठते ही छींक आती है और जुकाम जैसा लगता है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। यह प्रॉब्लम होती है एलर्जी की वजह से और एलर्जी से आप तभी बचकर रह सकती हैं, जब आप हेल्दी डाइट लेंगी।

वायरल के लक्षण हैं

सिर दर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटा सा लगना वगैरह। इसके इलाज के लिए बैलेंस डायट लेना जरूरी है। विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की सही मात्रा होनी चाहिए। खाने में फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

क्या करें

अपनी डेली डायट में सेब, मौसमी फल, अंगूर और फिश को शामिल करें। ये प्रॉब्लम्स एलर्जी की वजह से होती हैं और ये फूड आपको एलर्जी से बचाए रखेंगे। इसके अलावा गर्मागर्म ब्लैक टी भी आपको इस प्रॉब्लम से दूर रखने में हेल्प करेगी। अगर आप इस प्रॉब्लम पर गौर नहीं करेंगी, तो आपकी बॉडी की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती चली जाएगी। वैसे, यह प्रॉब्लम उन जगहों पर ज्यादा होती है, जहां ठंडी हवाएं चलती हैं। सर्दी से बचने के लिए चेस्ट को अच्छी तरह से ढककर रखें, गले को लपेट कर और गरम कपड़े पहनें। डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लें। नाक बंद हो तो स्टीम लें।एक रिसर्च के मुताबिक, जो महिलाएं हफ्ते में 5 दिन तकरीबन 45 मिनट एक्सरसाइज करती हैं, उन्हें जुकाम कम होता है।

सीताफल

स्वादिष्ट मीठे फल के 10 गुण

सीताफल इतने गुणों से भरपूर है कि शायद ही शरीर का कोई हिस्सा ऐसा हो जिसे यह फायदा न पहुंचाता हो। जानिए सीताफल के 10 गुणों के बारे में...

1. सीताफल में वजन बढ़ाने की क्षमता भरपूर होती है और अगर आप वजन बढ़ाने के सारे जतन करके थक चुके हैं तो तैयार हो जाएं एक नए और मीठे उपाय के लिए। आपको बस सीताफल को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना है और आपका मनचाहा फिगर आप पा सकेंगे बहुत ही जल्दी।

2. सीताफल में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। विटामिन सी में शरीर की रोगों से लड़ने वाली शक्ति यानी इम्युन सिस्टम को बढ़ाने की क्षमता होती है तो हर दिन एक बार सीताफल खाइए और भगाइए दूर बीमारियों को।
3. क्या आप अक्सर कमजोरी महसूस करते हैं? सीताफल आपकी यह परेशानी दूर कर सकता है। सीताफल बहुत ही अच्छा एनर्जी का स्रोत होता है और इसके सेवन से थकावट और मसल्स मतलब मांसपेशियों की कमजोरी आपको बिलकुल भी महसूस नहीं होगी। बस, सीताफल को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए।
4. विटामिन बी कॉम्प्लेक्स से भरा हुआ सीताफल दिमाग को शीतलता देने का भी काम करता है। यह आपको चिड़चिड़ेपन से बचाकर निराशा को दूर रखता है। तो फिर बस, सीताफल अपनाइए और अपनी मानसिक शांति को रखिए अपने साथ हमेशा।
5. सीताफल आपके दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उत्तम है। इसको नियमित खाकर आप दांतों और मसूड़ों में होने वाले दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।
6. खून की कमी यानी एनीमिया से बचना अब बिलकुल आसान है। सीताफल का हर दिन इस्तेमाल खून की अल्पता को खत्म कर देता है और उल्टियों के प्रभाव को भी कम करता है।
7. सीताफल आंखों की देखने की क्षमता बढ़ाता है, क्योंकि इसमें विटामिन सी और रिबोफ्लॉविन काफी ज्यादा होता है। इससे नंबर के चश्मे को आप खुद से बड़ी आसानी से दूर रख सकते हैं।
8. सीताफल में मौजूद मैग्नीशियम शरीर में पानी को संतुलित करता है और इस तरह से जोड़ों में होने वाले अम्ल को हटा देता है। यह अम्ल गठिया रोग का मुख्य कारण होता है और इस तरह से सीताफल गठिया रोग से सुरक्षा करता है।
9. दिल की तंदुरुस्ती अब बिलकुल आसान है। इसमें सोडियम और पोटेशियम संतुलित मात्रा में होते हैं जिससे खून का बहाव यानी ब्लड प्रेशर में अचानक होने वाले बदलाव नियंत्रित हो जाते हैं।
10. दोनों प्रकार की शुगर को संतुलित रखना सीताफल के उपयोग के साथ बहुत ही आसान है। इसमें शरीर में होने वाली शुगर को सोख लेने का गुण होता है और इस तरह से यह शुगर का शरीर में स्तर सामान्य बनाए रखता है।

सीताफल एक लाजवाब, स्वादिष्ट और मीठा फल होने के साथ-साथ अपने में अनगिनत औषधीय गुणों को शामिल किए हुए है। पूरे शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने का यह एक बहुत ही आसान उपाय है।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान

कई लोग भोजन के साथ या भोजन के बाद चाय का सेवन करने के शौकीन होते है लेकिन भोजन के साथ चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करना नुक्सानदायक साबित हो सकता है।चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से हमारे शरीर को कई रोगों का शिकार होना पड़ सकता है जैसे ब्लड प्रैशर की समस्या, मधुमेह और वजन बढ़ने की समस्या,पेट संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है।चाय या कॉफी में अत्यधिक कैफीन होने को कारण यह हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित होती है।कई लोगों का ऐसा मानने है कि भोजन के साथ चाय पीने से भोजन आसानी से पच जाता है लेकिन ऐसा न होकर इसका बुरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।आइए जानें भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान।

- भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने से पेट संबंधी समस्याएं जैसे एसीडिटी की समस्या पैदा हो सकती है और पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से मुंह की समस्याएं पैदा हो सकती है ,चाय ज्यादा पीने से गले और मुंह में खुश्की की समस्या पैदा हो सकती है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से इसमें मौजूद कैफीन हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित हो सकता है ,कैफीन हमारे शरीर में एसिड बना देता है जिसका सीधा असर हमारी किडनी पर पड़ता है।
- चाय या कॉफी पीने से आंतो पर बुरा असर पड़ता है और यह आंतों को भी कमजोर बना देती है।
- भोजन के साथ चाय या कॉफी का सेवन करने से भोजन में मौजूद पौष्टिक पदार्थ हमारे शरीर तक नहीं पहुंच पाते।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से अनिद्रा जैसी बीमारी का भी शिकार होना पड़ सकता है।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

जैतून का तेल रखता है दिल को दुरुस्त

जैतून तेल का नियमित इस्तेमाल दिल को तो दुरुस्त बनाता ही है, दिल संबंधी बीमारियों के जोखिमों को भी घटाता है। ग्लासगो तथा लिस्बन विश्वविद्यालयों और जर्मनी में मोसाइक्यूज डायग्नोस्टिक्स के अध्ययनकर्ताओं ने जैतून के तेल का असर जानने के लिए मिलकर काम किया।अमेरिकी जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में जैतून सहित पौधे में पाए जाने वाले प्राकृतिक अवयव फेनोलिक्स के हृदय पर पड़ने वाले असर को परखा गया। अमेरिका में संघीय औषधि प्रशासन और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण का मानना है कि मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ फेनोलिक्स, जैतून के तेल के रक्षात्मक प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। अध्ययन का पहलू यह रहा कि लक्षित समूहों पर इसका असर देखा गया यानी ऐसे लोग जो हमेशा जैतून का तेल इस्तेमाल नहीं करते हैं। स्वास्थ्य पर तेल पूरकों के असर के अध्ययन के लिए अध्ययन टीम ने नई डायग्नोस्टिक तकनीक को आजमाया। धमनी संबंधी (सीएडी), किडनी संबंधी (सीकेडी) और मधुमेह जैसी बीमारियों के संकेत के लिए पहचानी गई पेपटाइड्स (खंडित प्रोटीन से निर्मित) के रेंज को जानने के लिए पेशाब के नमूने की जांच की गई। परिणाम से पता चला कि दोनों समूहों में बीमारी की सबसे सामान्य किस्म सीएडी के नतीजे में बड़ा बदलाव दिखा।

विटामिन बी1 की कमी ब्रेन को कर देती है फेल

नई खोज से पता चला है कि विटामिन बी1 की कमी से ब्रेन की घातक बीमारी वैनिक इंसेफैलॉपथी हो सकती है। ऐल्कॉहॉल और एड्स के 75-80 पर्सेंट केसों में इस बीमारी के होने की आशंका रहती है। यह ब्रेन की ऐसी बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज इंसेफैलॉपथी का शिकार हो जाता है।

मेटाबॉलिक संतुलन बिगड़ने और नशीले पदार्थ का सेवन करने से यह बीमारी होती है। लायोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के न्यूरॉलजिस्ट के मुताबिक, वैनिक इंसेफैलॉपथी से पीड़ित में कन्फ्यूजन, भ्रम, कोमा, मांसपेशियों की कमजोरी और दृष्टि दोष जैसी दिक्कतें होती हैं। यही बाद में स्थायी तौर पर ब्रेन डैमेज का कारण बनती हैं और मरीज की मौत भी हो जाती है। साइंस अमेरिकन मेडिसिन जर्नल में इस नई खोज को प्रकाशित किया गया है।

मंत्री श्री तोमर ने घोसीपुरा क्षेत्र की बस्तियों में घूमकर वरिष्ठ अधिकारियों को बताया कहाँ बननी है सड़क, कहाँ डलनी है सीवर लाइन और कहाँ लगनी हैं स्ट्रीट लाइट

प्रभारी कलेक्टर, एसपी व निगम आयुक्त को बताईं बुनियादी समस्यायें, जरूरत पड़ने पर कार्यों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आग्रह कर दिलायेंगे धनराशि , घोसीपुरा स्टेशन क्षेत्र में पुलिस गश्त लगाने और असमाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के भी दिए निर्देश

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने घोसीपुरा, श्रीविहार, मानस विहार, रामगढ़, डीआरपी लाइन के पीछे एवं घोसीपुरा से जुड़ी बस्तियों की गलियों में घूमकर वरिष्ठ अधिकारियों को बताया कि कहाँ सीवर लाइन ठीक होनी है, कहाँ सड़क बननी है और कहाँ पर स्ट्रीट लाइटें लगाई जानी हैं। मंत्री श्री तोमर ने सोमवार की शाम प्रभारी कलेक्टर श्री विवेक कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार सगर एवं नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव सहित नगर निगम के अन्य अधिकारियों के साथ घोसीपुरा क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों में लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर इन बस्तियों की बुनियादी समस्याओं से अधिकारियों को रूबरू कराया। भ्रमण के दौरान नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष श्री हरिपाल, पार्षद श्री अनिल सांखला व श्री महेन्द्र आर्य सहित अन्य पार्षदगण एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण भी मंत्री श्री तोमर के साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव से कहा कि इन बस्तियों में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सड़क, सीवर लाइन व स्ट्रीट लाइट का काम कराएँ। यदि बजट की कमी हो तो इसके जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर उपलब्ध कराएँ, इन प्रस्तावों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह कर मंजूर कराया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि नई सड़क का निर्माण व नई सीवर लाइन की स्वीकृति मिलने का इंतजार न करें, उससे पहले तात्कालिक रूप से सड़कों के गड्ढे भरवाकर मरम्मत करें और पुरानी सीवर लाइनों को साफ कराकर सुचारू करें। इस काम में देरी न हो।

इससे पहले ऊर्ज मंत्री श्री तोमर ने घोसीपुरा रेलवे स्टेशन परिसर में इन सभी वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में क्षेत्रीय निवासियों के साथ संवाद कर उनकी समस्यायें सुनीं। घोसीपुरा पुराने रेलवे स्टेशन परिसर में रात के समय असमाजिक तत्वों के जमा होने की ओर क्षेत्रीय निवासियों द्वारा ध्यान आकर्षित किए जाने पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पुलिस अधीक्षक से कहा कि यहाँ पर पुलिस चौकी स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जब तक इस क्षेत्र में बहोड़ापुर, जनकगंज व इंदरगंज पुलिस थानों की सीमा का निर्धारण नहीं हो जाता है तब तक यहाँ पर नियमित पुलिस गश्त लगाएँ। साथ ही असमाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें, जिससे असमाजिक तत्वों में खौफ कायम हो और यहाँ के निवासियों को कोई दिक्कत न आए। मंत्री श्री तोमर ने नगर निगम आयुक्त श्री वैष्णव से कहा कि घोसीपुरा स्टेशन रोड़ सहित सत्यनारायण की टेकरी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की पुख्ता व्यवस्था करें। साथ ही सत्यनारायण की टेकरी रोड़ का निर्माण भी कराया जाए। उन्होंने इस क्षेत्र की सीवर समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश भी दिए। भ्रमण के दौरान अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार तथा नगर निगम के सीवर, पेयजल, सड़क निर्माण एवं अन्य शाखाओं से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जलभराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए सभी आवश्यक कार्य कराएँ: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने पर दिया विशेष जोर, ऊर्जा मंत्री ने न्यू कॉलोनी नम्बर 3की समस्याएं जानीं और त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर की निचली बस्तियों में फिर से जल भराव की स्थिति न बने, इसके लिए सभी आवश्यक कार्य कराएँ। साथ ही रूफ वाटर हार्वेस्टिंग लगाने के लिये स्थानीय निवासियों को प्रोत्साहित करें। न्यू कॉलोनी नं.-3 के पार्क में भी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाए। इस आशय के निर्देश ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दिए। श्री तोमर वार्ड-16 के अंतर्गत न्यू कॉलोनी नं.-3 में अतिवर्षा व जल भराव के बाद किए गए सुधार कार्यों का जायजा लेने पहुँचे थे। मंत्री श्री तोमर ने रविवार को न्यू कॉलोनी नं.-3 के भ्रमण के दौरान सड़क, सीवर, पानी तथा बिजली से सम्बन्धित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने के निर्देश मौके पर मौजूद नगर निगम व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सीवर की सफाई विशेष प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। साथ ही कहा कि बार-बार जलभराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाएँ। स्थानीय रहवासियों द्वारा यहाँ के पार्क में असमाजिक तत्वों के जमा होने की शिकायत की जाने पर मंत्री श्री तोमर ने मौके पर मौजूद नगर पुलिस अधीक्षक श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार को इस क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इस क्षेत्र में जरूरत के मुताबिक अतिरिक्त नवीन स्ट्रीट लाइटें लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जो स्ट्रीट लाइटें बंद हैं उन्हें दुरूस्त कराएँ। इस अवसर पर पार्षद श्री महेन्द्र आर्य, अनुविभागीय दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र बाबू यादव, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिंह सिकरवार, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री श्री नितिन मांगलिक, कार्यपालन यंत्री श्री श्रीनिवास यादव, नगर निगम के कार्यपालन यंत्री श्री सुशील कटारे तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इन बस्तियों में भी पहुँचे–ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने घोसीपुरा नम्बर 1 निवासी श्रीमती अवध बाई के बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए मकान का निरीक्षण किया। इसी कड़ी में विनय नगर सेक्टर 2 में सड़क, बिजली, पानी तथा सीवर की समस्याओं की वस्तुस्थिति जानी और नगर निगम तथा बिजली विभाग के अधिकारियों को तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

जुआ-सट्टा एवं अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करें: आईजी सक्सैना

ग्वालियर। थाना प्रभारी अपने थाना क्षेत्र में जुआ, सट्टा एवं अवैध शराब तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के तहत प्रभावी कार्यवाही करें और राजपत्रित अधिकारी शाम के समय अपने थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी एवं पुलिस बल के साथ भ्रमण कर वाहन चेकिंग करें। थाना प्रभारी एवं पुलिस कर्मी थाने में आने वाले पी?ित की समस्या को धैयपूर्वक सुने और उनकी समस्या का निराकरण करें, ताकि पीडित को भटकना न पडे। सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में ऐसे पॉइंट चिन्हित करे जहां लूट होने की संभावना अधिक होती है ऐसे स्थानों पर चेकिंग अवश्य करें। यह निर्देश आईजी ग्वालियर रेंज अरविंद सक्सैना ने आगामी त्यौहारों को देखते हुये बुधवार को पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर दिये। आगामी त्यौहारों एवं 6 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले टी 20 मैच को देखते हुये आई अरविंद सक्सेना ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बैठक आयोजित कर कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने थाना क्षेत्र में जुआ, सट्टा एवं अवैध शराब तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के तहत प्रभावी कार्यवाही करें और राजपत्रित अधिकारी शाम के समय अपने थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी एवं पुलिस बल के साथ भ्रमण कर वाहन चेकिंग करें।

थाना प्रभारी एवं पुलिस कर्मी थाने में आने वाले पी?ित की समस्या को धैयपूर्वक सुने और उनकी समस्या का निराकरण करें, ताकि पीडित को भटकना न पडे। बैठक में आईजी ने कहा कि सभी राजपत्रित अधिकारी समय-समय पर हवालात चेक करें और थानों में लगे सीसीटीव्ही कैमरे भी देखें। आईजी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये थाना प्रभारियों को दुर्गा उत्सव के दौरान अपने क्षेत्र में लगने वाले माता प्रतिमाओं के पंडालों की जानकारी एकत्रित करें एवं पंडालों में रखी जाने वाली प्रतिमाओं के आकार एवं उनके विसर्जन का रूट व उनके विसर्जन स्थान की जानकारी लें। बैठक में डीआईजी अमित सांघी ने थाना प्रभारियों को लंबित अंधे कत्ल एवं लूट के प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिये। बैठक में प्रभारी पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सगर सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

सीएमएचओ ने फायर एन.ओ.सी. प्रस्तुत नहीं करने पर 27 अस्पतालों को दिया नोटिस

ग्वालियर। जिला ग्वालियर में निजी अस्पतालों में फायर सेफ्टी रखे जाने के उद्देश्य से संभाग आयुक्त द्वारा समीक्षा बैठक में सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव को दिये निर्देश दिए थे कि ग्वालियर जिले की निजी अस्पतालों में फायर सेफ्टी से संबंधित सभी व्यवस्थाएं हों, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सकें। आयुक्त ग्वालियर संभाग के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ सचिन श्रीवास्तव ने 4 टीमें गठित कर अस्पतालों का निरीक्षण करायाएवं फायर एन.ओ.सी. प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। जिसमें 127 अस्पतालों से एन.ओ.सी. कार्यालय में प्राप्त हो चुकी हैं एवं निरीक्षण किये जाने के उपरांत 27 अस्पतालों के द्वारा अभी तक फायर एन.ओ.सी. उपलब्ध नहीं करायी गयी है। जिस कारण से निम्नानुसार 27 अस्पतालों को नोटिस जारी कर सात दिवस में एन.ओ.सी. प्रस्तुत करने हेतु लेख किया गया है अन्यथा की स्थिति में लाईसेन्स निरस्त किया जायेगा।

नेशनल हाईवे 27 पर गड्ढों का कहर- सरकार और अधिकारी मौन

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

करैरा। नेशनल हाईवे 27 पर जगह-जगह हुए गड्ढे गाड़ियों का निकलना मुश्किल हो गया है यह समस्या न केवल यात्रियों के लिए परेशानी का कारण है, बल्कि यह सड़क दुर्घटनाओं का भी एक बड़ा कारण हो सकता है लेकिन नेशनल हाईवे के अधिकारी इस मामले में मौन हैं नेशनल हाईवे 27 पर गड्ढों की समस्या कई महीनों से चली आ रही है, लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं हुआ है यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं इसके अलावा, गड्ढों के कारण गाड़ियों के टायर और सस्पेंशन भी खराब हो रहे हैं इस समस्या के समाधान के लिए नेशनल हाईवे के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए उन्हें सड़क की मरम्मत का काम शुरू करना चाहिए और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार एवं स्थानीय नेताओं को भी इस मामले में दखल देनी चाहिए और नेशनल हाईवे के अधिकारियों को इस समस्या का समाधान करने के निर्देश देने चाहिए. स्थानीय लोगों का कहना है कि हम कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है गड्ढों के कारण हमारी गाड़ियों के टायर और सस्पेंशन खराब हो रहे हैं और हमें अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा करनी पड़ रही है। डॉक्टर को एक भगवान का रूप माना जाता है लेकिन एक और शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्रकार मोनिका परिहार निवाड़ी जिले के बी.एम.ओ आर.सी मलारिया एवं शिखा पुरोहित एक तरफ धंधा चल रहा है। शिखा पुरोहित जो डाटा एंट्री के पद पर पदस्थ है। शिखा के कहने पर यहां पूरा स्टॉफ का फैरबदल हो जाता है वैसे अगर माना जाये तो बी.एम.ओ की गर्लफ्रेंड है इनका संबंध बहुत दिनों से है। शिखा पुरोहित, 10 दिन भी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होती है।

महाराजा अग्रसेन मेला में सजीव दरबार होगा आकर्षण

ग्वालियर। श्री अग्रवाल महासभा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय अग्रसेन मेले का आयोजन भव्यता के साथ किया जाएगा। इसके लिए गत दिवस आयोजन मंडल की बैठक में कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। महासभा के अध्यक्ष अशोक गोयल, महामंत्री नरेंद्र सिंहल, कार्यक्रम संयोजक डॉ राकेश अग्रवाल एवं रवि कुमार गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय अग्रसेन मेला 7 एवं 8 अक्टूबर को जीवाजी क्लब में भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसमें महिला एवं बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी। मुख्य आकर्षण महाराजा अग्रसेन का सजीव दरबार होगा जिसमें राजसिंहासन पर समाज के व्यक्ति को महाराजा बनाकर बैठाएंगे।साथ ही उनके 18 पुत्र गौत्र के रूप में रहेंगे। 7 अक्टूबर को गरबा डांडिया की मनमोहक प्रस्तुति रहेगी। इसके लिए महिला एवं युवतियों का प्रशिक्षण किडीज कार्नर स्कूल में दिया जा रहा है। इसके साथ ही दरबार में छप्पन भोग सजाए जाएंगे। भोग प्रसाद के कूपन के साथ प्रत्येक व्यक्ति को महाराजा अग्रसेन जी की तस्वीर भी दी जाएगी। बैठक में अरविंद दूदावत,हरीबाबू गोयल, महेंद्र अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रामनाथ अग्रवाल,दिलीप अग्रवाल,मोहन गर्ग, सुनील अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

हर क्षेत्र में महिलाओं को मिले पहली प्राथमिकता: डॉक्टर रोड़ा ओल्याई

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। फैमिली प्लैनिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा आयोजित महिलाओं को जागरूक करने हेतु मूल्यांकन की आवश्यकता पर कार्यशाला का आयोजन आज दूसरे दिन चिकित्सक एवं शासकीय अधिकारियों के साथ मिलकर संपन्न किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संस्था की पूर्व राष्टीय उपाध्यक्ष डॉ रोजा ओल्याई जी उपस्थित उन्होंने सभी प्रतिभागियों को महिला स्वास्थ्य एवं प्रजनन स्वास्थ्य पर होने वाले दबाव पर विस्तार पूर्वक जानकारी साथ ही उन्होंने महिलाएं किस प्रकार अपनी सुरक्षा करनी चाहिए इस पर चर्चा की उन्होंने अपने उत्पादन में कहा कि हर क्षेत्र महिलाओं को देनी होगी पहली प्राथमिकता। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रेड क्रॉस सोसाइटी के संचालक प्रवीण भारद्वाज जी उपस्थिति है उन्होंने सभी को रेड क्रॉस से मिलने वाली सुविधाएं एवं ग्रामीण क्षेत्र में की किस प्रकार संस्था के साथ आरचेस परियोजना के मुख्य बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। अरे स मैं संस्था की युवा कार्यकारिणी सदस्य आकृति परमार उपस्थित तो उन्होंने सभी को यूथ की क्या-क्या भूमिका रहेगी आर्थिक परियोजना इसका विस्तार पूर्वक चर्चा की। कार्यशाला में कार्यक्रम के अध्यक्षता संस्था की चेयरपर्सन श्रीमती शशि बिसेन जी द्वारा की गई सभी को ग्रामीण क्षेत्र में कैसे विकास करेंगे इस पर चर्चा की।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संस्था के कार्यकारणी युवा सदस्य आकृति परमार जी उपस्थित थी उन्होंने सभी युवाओं का क्या रोल रहेगा इस परियोजना में इस विषय पर चर्चा की! कार्यक्रम में मुख्यालय की ओर से डिप्टी डायरेक्टर प्रोग्राम्स अमिता धानु जी उपस्थित उन्होंने सभी को डाटा विबरन एबं आकृड़ो पर विस्तार पूर्वक चर्चा की उन्होंने अन्य विषयों पर चर्चा की। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में शिखा बंसल जी फैमिली प्लानिंग एडवाइजर उसाइड यु एस ऐड की ओर से उपस्थित थी उन्होंने सभी को फैमिली प्लानिंगएबं आरचीड़ परियोजना में किस प्रकार कार्य करेंगे इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की साथ आरचीड़ के कार्य क्षेत्र पर चर्चा की । कार्यक्रम में संस्था की कार्यकारणी सदस्य डॉ वीणा प्रधान उपस्थिति थी उन्होंने अपने विचार रखें। कार्यशाला में में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी अच्छेद्र सिंह कुशवाहा जी ने अपने विचार रखें कार्यक्रम में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से सारे क्षेत्र से अलग-अलग सेंटर्स से मेडिकल ऑफिसर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर उपस्तित थे जिसमें डॉक्टर प्रीतम सिंह डॉक्टर दीपक तोमर डॉ समीर टंडन डॉक्टर पीयूष गौड़ उपस्थित थे डॉक्टर वंदना भूपेंद्र भूपेंद्र प्रेमी उमेश वशिष्ठ जी डॉ सुरभि भड़कारीया मिथलेश पटेरिया, साक्षी डॉ आर एस सिलवाट उपस्थित थे सभी ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। कार्यशाला के अंतर्गत प्रोजेक्ट मैनेजर एफ पी ए आई की डॉक्टर स्वागतिका जी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में आरचीड़ परियोजना के समस्त स्टाफ की मुख्य भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478